

तनाव के हालात... आज लगातार चौथे दिन सड़कों पर विपक्ष, कल सीजेपी का प्रदर्शन

लुटियंस दिल्ली में सुरक्षा का किला

ट्रेन-फ्लाइट पकड़ना भी मुश्किल

■ कल नई दिल्ली-निजामुद्दीन पहुंचने वाली सभी ट्रेनें रद्द ■ बैरिकेडिंग और रास्तों पर पाबंदियां, 57 मेट्रो स्टेशन बंद

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्ष के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए लुटियंस दिल्ली में भारी सुरक्षा, जगह-जगह बैरिकेडिंग और रास्तों पर पाबंदियों ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। राजधानी के सत्ता केंद्र के आसपास पुलिस का पहरा सख्त है। विपक्ष लगातार चौथे दिन सड़कों पर उतरने की तैयारी में है और शनिवार को जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन प्रस्तावित है। इससे पहले बड़ी संख्या में बाहर से आने वालों की धरपकड़ हो रही है। संसद, राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री आवास की ओर जाने वाले मार्गों पर कड़ी निगरानी है। कई प्रमुख रास्तों पर यातायात प्रभावित होने से एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पहुंचने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली पुलिस ने मेट्रो के 57 स्टेशनों को बंद करवा दिया है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन के सांसदों का विरोध-प्रदर्शन आज भी जारी है। सूत्रों का कहना है कि कल राजघाट के बाद उनकी नजर राष्ट्रपति भवन की ओर मार्च करने पर है। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगा है। विपक्ष के सांसदों को संसद के सेंट्रल हॉल में जुटने के लिए कहा गया है। यदि राष्ट्रपति से मुलाकात का समय नहीं मिलता है, तो सांसद राष्ट्रपति भवन की ओर बढ़ सकते हैं।

उधर, बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस के खुफिया विभाग ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर इनपुट मिलने की बात कही है। पुलिस को आशंका है कि इसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंच सकते हैं। उधर, सीजेपी के प्रवक्ता ने दावा किया है कि प्रदर्शन में शामिल होने आ रहे लोगों को रोकने के लिए देशभर में कम से कम 10 हजार लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें पुणे के कुछ विद्यार्थी भी शामिल बताए गए हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों और आम लोगों से हिंसा से बचने तथा सुर्ख्वा ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला नहीं करने की अपील की है। अधिकारी ने कहा कि ऐसा कोई भी कृत्य अपराध है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने कहा... जंतर-मंतर और आसपास प्रदर्शन की इजाजत नहीं, धरपकड़ तेज

होटलों में ठहरे मेहमानों से पूछताछ

दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए करीब 23 हजार केन्द्रीय सुरक्षा बलों के जवान उपलब्ध कराए गए हैं। दिल्ली पुलिस के जवानों के साथ इनकी तेनाती संवेदनशील इलाकों, सरकारी भवनों और राजधानी के प्रवेश मार्गों पर की जा रही है। संसद मार्ग, अशोक रोड, जनपथ और जंतर-मंतर की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई है। होटलों में ठहरे सन्दिध लगने वाले मेहमानों से सीधे पूछताछ की जा रही है। खास तौर पर 8 से 11 अक्टूबर के बीच रुकने वालों के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। ग्रुप में आए लोगों पर खास नजर है। खासकर 20 से 30 साल के युवाओं से पूछा जा रहा है कि वे दिल्ली किस काम से आए हैं। अगर कमरा किसी और ने बुक कराया है और रुका कोई दूसरा है, तो ऐसे मामलों की कड़ी जांच हो रही है। होटल रजिस्टर से असली आईडी मिलाई जा रही है।

शुरुआती स्टेशन से ही रद्द की गई सभी ट्रेनें

सीजेपी प्रोटेस्ट को के लिए सुरक्षा व्यवस्था का सीधा असर रेल यातायात पर पड़ा है। भारतीय रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचने वाले रास्तों पर लगी पाबंदियों की वजह से 5,000 से ज्यादा यात्री अपनी ट्रेन नहीं पकड़ सके। नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन शनिवार को पहुंचने वाली कई ट्रेनें उनके शुरुआती स्टेशनों से ही रद्द कर दी गई हैं। सबसे ज्यादा परेशानी उन यात्रियों को हुई है, जो दिल्ली आने वाले थे। यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेनों की स्थिति पता करने की सलाह दी गई है।

सेवा संकल्प अभियान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में 'सेवा के रंग-राष्ट्र के संग' कार्यक्रम अंतर्गत बनाई गई रंगोली का अवलोकन किया।

जबलपुर हाईकोर्ट ने कमेटी से मांगी रिपोर्ट

डूब जाएगा आधे से ज्यादा पन्ना टाइगर रिजर्व, 60 लाख पेड़ काटने का दावा

जबलपुर, एजेंसी

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने केन-बेतवा लिंक परियोजना के पर्यावरणीय प्रभावों से जुड़ी जनहित याचिका पर केंद्र सरकार से सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (CEC) की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। याचिका में दावा किया है कि परियोजना के कारण पन्ना टाइगर रिजर्व का आधे से अधिक हिस्सा डूब क्षेत्र में आ सकता है और करीब 60 लाख पेड़ों की कटाई होगी।

कोर्ट ने रिपोर्ट में बताई गई कथित अनियमितताओं, सुप्रीम कोर्ट में चल रही कार्यवाही और उस पर राज्य सरकार की कार्रवाई की जानकारी भी मांगी है। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने ये निर्देश दिए। जबलपुर के अधिवक्ता अरिहंत तिवारी ने जनहित याचिका दायर की है और गुरुवार को स्वयं अपना पक्ष रखा। मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी।

वन्यजीवों और घड़ियाल अभयारण्य पर असर

याचिका में कहा है कि परियोजना के लिए होने वाले जलभराव से पन्ना टाइगर रिजर्व का बड़ा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। इससे बाघ, तेंदुआ, गिद्ध सहित अन्य वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास और उनके आवागमन के गलियारों पर असर पड़ने की आशंका है। याचिका में केन घड़ियाल अभयारण्य पर संभावित प्रभाव का मुद्दा भी उठाया गया है।

बहादुरी कोमिला सम्मान...

भारतीय कैप्टन रिमत मच्छार को इजरायल देगा वीरता पुरस्कार

तेल अवीव। 30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईटदुबई की फ्लाइट को हाईजैक होने से बचाने वाले कैप्टन रिमत मच्छार को इजरायल सम्मानित करेगा।

इजरायली राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग ने इस घटना से जुड़े नायकों को सम्मानित किया। उन्होंने येरुशलम में छह इजरायली नागरिकों- ताली मानेस, ज्विका मानेस, यानिव हायुन, डॉ.



शोता मुसायेव, आसाफ राजुआन और ओर पारदिलोव को राष्ट्रपति नागरिक वीरता पदक प्रदान किया। इन लोगों ने हमलावर को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी।

हर्जोग ने इसी मौके पर भारतीय पायलट कैप्टन रिमत मच्छार को भी यही पुरस्कार देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मच्छार की साहस, बहादुरी और पेशेवर रवैये ने इस बड़ी आपदा को टाल दिया। कैप्टन के स्वस्थ होने के बाद उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा। हर्जोग ने मच्छार के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

मयंक की जगह खेल सकते हैं प्रिंस

भारत-वेस्टइंडीज दूसरा टी-20 आज

रांची, एजेंसी

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज खेला जाएगा। मैच रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में शाम 7 बजे से शुरू होगा।

टीम इंडिया ने पहले मुकाबले में 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन इस साल टी-20 इंटरनेशनल में 49 छक्के लगा चुके हैं। वे 1 सिकस लगाते ही इस साल छक्कों की हाफ सेंचुरी पूरी करने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय टीम के प्लेइंग-11 में भी बदलाव हो सकता है। टीम पहले मैच में 40 रन देने वाले मयंक यादव की जगह प्रिंस यादव को मौका दे सकती है। पेज 7 भी देखें..



चार राज्यों में उपचुनाव की काउंटिंग जारी

टीएमसी-कांग्रेस साथ फिर भी भाजपा आगे

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/पुडुचेरी। चार राज्यों की 6 सीटों पर उपचुनाव की काउंटिंग जारी है। रुझानों में बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर सीट पर भाजपा आगे है। तमिलनाडु की दोनों मधुरंतकम और धारापुरम सीटों पर सीएम विजय की पार्टी TVK बढ़त बनाए हुए है। वहीं, पुडुचेरी की थट्टनचावडी विधानसभा सीट पर NDA समर्थित AINRC के उम्मीदवार अशोक आनंद जीत गए हैं। असम की नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा आगे चल रही है। इन सीटों पर 6 अक्टूबर को मतदान हुआ था। सबसे ज्यादा चर्चा बंगाल की नंदीग्राम सीट की है। यहां TMC प्रत्याशी के नामांकन वापस लेने के बाद ममता बनर्जी ने कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन दिया था।



छिंदवाड़ा के तामिया से लिया था नमूना

पतंजलि गाय का घी असुरक्षित मिला बैच का पूरा स्टॉक वापस बुलाने के आदेश

छिंदवाड़ा/ भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के खाद्य सुरक्षा प्रशासन की जांच में पतंजलि ब्रांड के गाय के घी का एक पूरा बैच असुरक्षित पाया गया है। तामिया की एक किराना दुकान से लिए गए 200 एमएल पैक के घी के नमूने की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन ने बैच के पूरे उत्पाद को बाजार से वापस बुलाने के निर्देश दिए हैं। जांच दल ने बीते 10 अगस्त को घी का नमूना लिया था। नमूने की पैकिंग अप्रैल 2026 की बताई गई है। इसका बैच नंबर FAWB260017 है। विभाग के अनुसार प्रयोगशाला जांच में नमूना असुरक्षित घोषित किया गया। नमूना असुरक्षित घोषित होने के बाद फूड कंट्रोलर ने संबंधित बैच के पतंजलि काउज घी को तत्काल बाजार से वापस बुलाने के निर्देश दिए गए हैं। इस बैच का घी मध्यप्रदेश के जिन-जिन क्षेत्रों और अन्य स्थानों पर बिक्री के लिए भेजा गया है, वहां से उसे वापस मंगाने की कार्रवाई की जाएगी। व्यापारियों को संबंधित स्टॉक की बिक्री रोककर उसे वापस करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्रवाई की जानकारी महाराष्ट्र सरकार को भी भेजी गई है। दीपावली को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन खाद्य पदार्थों की जांच का अभियान चला रहा है।



मृतकों के खातों से संबंधित दावों का निपटान अब हुआ समयबद्ध और आसान

Fr, 12:10 pm

BANK

आपके द्वारा दावा की गई राशि सफलतापूर्वक जमा कर दी गई है

3 सरल चरणों में दावा करें:

1 अपनी बैंक की शाखा में या वेबसाइट पर जाएँ

2 दावा प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी को समझें

3 पूर्णतः भरा हुआ दावा संबंधी फॉर्म और दस्तावेज़ जमा करें

आज ही अपने नॉमिनी का नाम दर्ज करें अपने प्रियजनों के लिए दावा प्रक्रिया को और भी तेज़ और आसान बनाएं

सभी आवश्यक दस्तावेज़ प्राप्त होने की तिथि से 15 कैलेंडर दिनों के भीतर दावा निपटान

आरबीआई कहता है... जानकार बनिए, सतर्क रहिए!

जनहित में जारी भारतीय रिजर्व बैंक RESERVE BANK OF INDIA www.rbi.org.in

अधिक जानकारी के लिए, <https://rbikehtohai.rbi.org.in/dc> पर जाएँ
आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935 / 99309 91935

धूल और धुएं से रहवासियों की बड़ी परेशानी

निगम की सफाई के दावों पर पसरा कचरा, खाली प्लॉट बना ट्रैचिंग ग्राउंड

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगर निगम शहर को साफ-सुथरा रखने और बेहतर सैनिटेशन व्यवस्था के दावे कर रहा है, लेकिन शहर के कई इलाकों में लगे कचरे के ढेर इन दावों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। सेमरा, एकता पुरी और पंजाबी बाग सहित कई क्षेत्रों में खाली प्लॉट और सड़क किनारे बड़ी मात्रा में कचरा जमा है। नियमित कचरा उठाव नहीं होने से स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार लंबे समय से कचरा नहीं उठाए जाने के कारण खाली जगहों पर कचरे के ढेर बढ़ते जा रहे हैं। इनमें प्लास्टिक,

घरेलू कचरा और अन्य अपशिष्ट शामिल हैं। कई स्थानों पर कचरे में आग लगा दी जाती है, जिससे आसपास धुआं फैलने के साथ प्रदूषण और दुर्गंध की समस्या पैदा हो रही है।

कचरे के ढेर के कारण मच्छर और अन्य कीट-पतंगों का प्रकोप भी बढ़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि समस्या की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। उनका आरोप है कि सफाई व्यवस्था और कचरा उठाव की नियमित निगरानी नहीं होने से हालात गंभीर होते जा रहे हैं।



धुएं से सांस लेना भी हो रहा मुश्किल

कई जगह कचरा जलने से उठने वाला धुआं आसपास के लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है।

रहवासियों ने नियमित कचरा उठाव और खुले में कचरा जलाने से रोक लगाने की मांग की है।

कॉलोनियों में प्रदूषण का खतरा भी बढ़ा

रहवासियों का कहना है कि खाली प्लॉट में कचरा जलाने से इलाके में प्रदूषण का खतरा भी बढ़ रहा है।

प्लास्टिक में आग लगाने से हवा की शुद्धता बिगड़ रही है। मोनिंग वॉकरों को ज्यादा परेशानी हो रही है।

न्यूज विडिो

मां की गाली दी तो साढ़े नौ साल के बच्चे ने युवक को मारा चाकू, गंभीर

भोपाल। हनुमानगंज में बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद के बाद एक युवक को बच्चे को पीटना और मां को गाली देना भारी पड़ गया। नाराज साढ़े नौ साल के बच्चे ने भाई और रिश्तेदार के साथ मिलकर युवक पर चाकू से हमला कर दिया। युवक गंभीर है। पुलिस ने केस दर्ज कर तीनों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया, सपना लॉज के पास दो बच्चे विवाद कर रहे थे। सभी इब्राहिमगंज में ऑयल की दुकान प्रवीण चौहान ने बच्चों को डांटा, चांटा मारा और मां की गाली दे दी। नाराज बच्चा घर गया। भाई को बुला लाया और प्रवीण को चाकू मार दी।

दानिश कुंज में पानी समझकर पिया केमिकल, 10 साल के बच्चे की मौत

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र के दानिश कुंज में लॉन्ड्री में कपड़े साफ करने वाले केमिकल को पानी समझकर पीने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बताया, ललिता नगर कोलार निवासी सिद्धार्थ पुत्र यशवंत भुजंग (10) दूसरी कक्षा में पढ़ता था। सुबह सिद्धार्थ स्कूल गया था। दोपहर दो बजे स्कूल की छुट्टी होने के बाद उसके पिता उसे मां के पास लॉन्ड्री में छोड़कर चले गए। लॉन्ड्री में सिद्धार्थ ने खाना खाया। इसके बाद पास में रखा कपड़े साफ करने वाला केमिकल उसने पानी समझकर पी लिया। केमिकल पीते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगीं। मां उसे अस्पताल ले गईं, जहां उपचार के कुछ देर बाद ही उसने दम तोड़ दिया।

त्योहारी सीजन में भोपाल मंडल से होकर दर्जनों स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

भोपाल। रेलवे ने प्रमुख शहरों के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। रानी कमलापति से दानापुर के बीच गाड़ी संख्या 01667/01668 द्वि-साप्ताहिक स्पेशल 12 अक्टूबर से 17 नवंबर तक चलेगी। वहीं रानी कमलापति-रीवा के बीच 02191/02192 साप्ताहिक पूजा स्पेशल के फेरे 17 अक्टूबर, 24 अक्टूबर, 7 नवंबर और 14 नवंबर से निर्धारित हैं। इटारसी होकर मुंबई, पुणे और उप्र के प्रमुख शहरों के लिए भी अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनमें लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ, पुणे-गोरखपुर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर, हडपसर-गाजीपुर सिटी और लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस स्पेशल शामिल हैं। इसके अलावा सुल्तानपुर और वाराणसी से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए स्पेशल ट्रेनें बीना, रानी कमलापति और इटारसी होकर चलेंगी।

दूसरी मंजिल की छत से कूदकर 12वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

भोपाल। बैरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित कैलाश नगर सीटीओ में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात बारहवीं कक्षा की छात्रा ने मकान की दूसरी मंजिल से कूदकर जान दे दी। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन इंस्टाग्राम पर उसने एक स्टोरी जरूर पोस्ट की है। इसमें उसने लिखा है कि दुनिया से थक चुकी हूं जिना नहीं चाहती। पुलिस इसे सुसाइड नोट मान रही है। पुलिस के अनुसार, चेष्टा शर्मा पुत्री दिनेश शर्मा (19) कैलाश नगर, सीटीओ बैरगढ़ में रहती थीं। पिता दिनेश शर्मा मल्टी नेशनल कंपनी के एरिया मैनेजर हैं। वह दो भाई-बहनों में बड़ी थी। वह बीते छह साल से डिप्रेशन में थी। दो साल से वह कुछ ज्यादा ही तनाव में रहने लगी थी, उसका इलाज भी चल रहा था। परिजनों ने कई बार समझाया, पर हर बार यही कहती थी कि मुझे मरना है।

ठेकेदार बोला-कमीशन पहले ही दिया, तब भी आरोपी प्रति ठेका दो लाख मांग रहे थे

कमीशन के विवाद में ठेकेदार को बनाया बंधक, लूट लिए 9 लाख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बैरसिया इलाके में कमीशन के विवाद में अपहरण, बंधक बनाने और लूटपाट का खेल सामने आया है। चार आरोपियों ने देवास के एक सिविल ठेकेदार को साइट दिखाने के बहाने बुलाया और उसके दोस्त सहित कार में बैठाकर सुनसान इलाके में ले गए। यहां दोनों को बंधक बनाकर मारपीट की गई। कारोबारी के पास मौजूद करीब साढ़े नौ लाख रुपए छीनने के बाद आरोपियों ने पांच लाख रुपए और देने की मांग की। इसके लिए एक पिकअप वाहन से चेक मंगवाए गए। बाद में दोनों को अयोध्या नगर के एक होटल में बंधक बनाकर रखा गया। मौका पाकर कारोबारी का दोस्त वहां से निकल गया। इसके बाद आरोपियों ने कारोबारी को भी छोड़ दिया। वारदात के तीन दिन बाद मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि चौथे आरोपी की तलाश जारी है।



रुपए लेकर लौट रहा था.. फोन कर साइट दिखाने के बहाने बुलाया, जंगल में ले गए

घटना 3 अक्टूबर की शाम की है। मंगेश सारांग के काम से करीब साढ़े नौ लाख रुपए लेकर कार से लौट रहा था। उसके साथ दोस्त सोनू उर्फ आसिम भी था। इसी दौरान आरोपी

अजय ने फोन करके उसे बैरसिया में साइट दिखाने के बहाने बुलाया। वहां अजय के साथ नजीराबाद के लक्ष्मीनारायण गुर्जर और बैरसिया निवासी देवराज

में जमा कर चुका था। इसके बावजूद अजय प्रति ठेका दो लाख रुपए के हिसाब से अतिरिक्त कमीशन मांग रहा था। पुलिस ने बताया इसी विवाद में अपराध ने जन्म लिया और कारोबारी का अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामले में जांच कर रही है।

भौतिक चिकित्सा कल्याण संघ ने कहा-अस्पतालों में लगवाएं मॉडर्न यूनिट फिजियोथैरेपी पंजीयन, शिक्षा और सेवाएं मजबूत करने की मांग, काउंसिल को ज्ञापन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ ने मध्यप्रदेश में फिजियोथैरेपी के पंजीयन, शिक्षा, रोजगार एवं स्वास्थ्य सेवाओं को एनसीएचपी एक्ट 2021 और राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुदृढ़ करने स्टेट एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल काउंसिल को ज्ञापन सौंपा। फिजियोथैरेपिस्टों का पंजीयन जल्द शुरू करने व प्रमाण-पत्र में 'डॉ.' व 'पं.' के उपयोग पर स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की।



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मॉडर्न फिजियोथैरेपी यूनिट स्थापित करने की मांग की गई। संघ ने नियमित भर्ती, इंटेन को उचित स्ट्राइपेंड, वेतन असमानता दूर करने, मॉडर्न उपकरण उपलब्ध कराने और एनएचएम में कार्यरत फिजियोथैरेपिस्टों के

संघ अध्यक्ष डॉ. सुनील पाण्डेय ने सीएमई/सीपीडी कार्यक्रमों के लिए काउंसिल की पूर्व अनुमति, विद्यार्थियों से शुल्क नहीं लेने व प्रमाण-पत्र और क्रेडिट व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

एमआरडब्ल्यू पदनाम में सुधार की भी मांग की। संघ ने फिजियोथैरेपी क्लिनिकल स्वायत्तता पर जोर दिया। कहा-इलाज प्रक्रिया मरीज की स्थिति के अनुसार तय करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जरूरी हैं। अन्य पद्धतियों के डॉक्टर मशीनों व व्यायाम लिखकर इलाज कर रहे हैं। यह ठीक नहीं है।

परमिट शर्तों का उल्लंघन 5 बसों पर कार्रवाई, 2 के पास नहीं थी पीयूसी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की टीम ने यात्री बसों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 11 मील और होशंगाबाद रोड पर यात्री वाहनों की जांच की गई। टीम ने बसों के दस्तावेजों और परिवहन नियमों के पालन की पड़ताल की। चेकिंग के दौरान पांच यात्री बसों में परमिट की शर्तों का उल्लंघन पाया गया। इन बसों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। वहीं, दो बसों में प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र (पीयूसी) नहीं मिलने पर भी चालान किए गए। कुल 7 यात्री बसों पर कार्रवाई की गई।

35 हजार रुपए समन शुल्क वसूला: नियमों के उल्लंघन के मामलों में टीम ने 35 हजार रुपए समन शुल्क वसूल किया।

निशातपुरा रेल कारखाने को राजभाषा शीलड-2025

रोजमर्रा के कामकाज में हिंदी का प्रयोग संवैधानिक दायित्व: कोहाड़े

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पश्चिम मध्य रेलवे के राजभाषा विभाग, जबलपुर द्वारा महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी आशुतोष के मार्गदर्शन में राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह आयोजित किया गया। अपर महाप्रबंधक एकनाथ मोहकर विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर हुए हास्य कवि सम्मेलन में बिलासपुर, भोपाल, कटनी, देवास और कोटा के कवियों ने गीत, गजलों एवं हास्य-व्यंग्य से श्रोताओं का मनोरंजन किया।

समारोह में सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल को हिंदी में उल्लेखनीय कार्य के लिए 'अंतर कारखाना राजभाषा शीलड-2025' प्रदान की गई। महाप्रबंधक दिलीप



कुमार सिंह ने शीलड प्रदान की। कारखाने के मनोज कुमार सिंह, उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, आशीष सिंह सेगर, मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक व जिनदेश और सुश्री शिवानी, तकनीशियन, बोगी शॉप को पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिए गए। महाप्रबंधक ने कहा कि सरल एवं स्पष्ट भाषा से जनसंवाद प्रभावी होता है। मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल बी. कोहाड़े ने कहा, दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग संवैधानिक दायित्व है।

सामाजिक सरोकारों पर संवाद भी

देवी आराधना के साथ चित्रांश मासिक पारिवारिक मिलन और गरबा उत्सव

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मां दुर्गा की आराधना 11 अक्टूबर से शुरू होने जा रही है। नवरात्रि के इस त्योहार की खुशियों की तैयारियों में हर कोई जुटा है। इसी कड़ी में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, मध्य भारत के तत्वावधान में चित्रांश मासिक पारिवारिक मिलन के अंतर्गत नवरात्रि के अवसर पर देवी आराधना एवं गरबा उत्सव का आयोजन 11 अक्टूबर को शाम 6 बजे से नंदन पैलेस, होशंगाबाद रोड में किया जाएगा।

कार्यक्रम में समाजजन परिवार समेत शामिल होंगे। वे गरबा कर मां शक्ति की आराधना करेंगे। आयोजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति, पारिवारिक एकता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा

देने का संदेश दिया जाएगा। गरबा उत्सव के साथ ही कार्यक्रम में सामाजिक सरोकारों एवं समाजहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा भी होगी। चित्रांश मासिक पारिवारिक मिलन का उद्देश्य समाज के परिवारों को एक मंच पर लाकर आपसी संवाद, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक एकता को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के लिए विभिन्न पुरस्कार एवं आकर्षक गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। आयोजन को लेकर समाजजनों में विशेष उत्साह है। आयोजकों ने सभी समाजजनों से परिवार सहित शामिल होने की अपील की है।

मेट्रो एंकर

कालापानी में 1,000 कुत्तों की क्षमता वाले घर की योजना, नौ माह में पूरा करने का लक्ष्य

भोपाल को मिलेगा प्रदेश का पहला स्थायी डॉग शेल्टर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी से निपटने के लिए अब तक की जा रही अस्थायी व्यवस्थाओं को खत्म करते हुए, शहर को मध्य प्रदेश का पहला स्थायी डॉग शेल्टर मिलने जा रहा है।

भोपाल नगर निगम द्वारा कालापानी में 2.04 हेक्टेयर भूमि पर इस शेल्टर का विकास किया जाएगा, जिसकी क्षमता एक साथ 1,000 कुत्तों को रखने की होगी। बेहतर देखरेख, खानपान और निगरानी के लिए पूरे परिसर को 10 स्वतंत्र कैनल ब्लॉक में विभाजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक ब्लॉक में 100 कुत्ते रखे जा सकेंगे। हर कैनल में 10.5 मीटर लंबी और 4 मीटर चौड़ी कंक्रीट शेड के साथ एक चेन-लिंक ओपन यार्ड बनाया जाएगा, जिससे कुत्तों को धूप और बारिश से सुरक्षा मिलने के साथ खुला स्थान भी



मिल सके। सबसे खास बात यह है कि यह केवल एक होलिंग फैसिलिटी नहीं होगी, बल्कि इसमें छोटे चैंबर वाला एक अलग क्वार्टाइन ब्लॉक भी होगा, जो बीमारी, घायल और ऑब्जरवेशन श्रेणी के कुत्तों को अलग रखकर बीमारी के प्रसार को रोकेंगे।

46.32 लाख रुपए की लागत और अन्य सुविधाएं इस 46.32 लाख रुपये की परियोजना के तहत एक वेटरनरी क्लिनिक, फूड स्टोर और स्टाफ रूम भी बनाए जाएंगे। टेंडर मिलने के बाद इस प्रोजेक्ट को नौ महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सिविक डेटा के अनुसार, वर्तमान में भोपाल में एबीसी एक्ट, 2023 के मानदंडों के अनुरूप कोई भी शेल्टर मौजूद नहीं है। अभी केवल तीन एनजीओ द्वारा संचालित एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर (आदमपुर छावनी, अरवलिगा गोशाला और कोलार) ही काम कर रहे हैं, जो रोजाना 35 से 40 कुत्तों की नसबंदी करते हैं। कालापानी का यह प्रस्ताव पिछले आठ महीनों से जिला प्रशासन के पास लंबित था। आवारा पशु प्रबंधन पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद इस प्रस्ताव को नई गति मिली है, जिसके तहत राज्य के शहरी प्रशासन विभाग ने सभी संबंधितों को निर्देश जारी कर दिए हैं। बताया जा रहा है, इस शेल्टर के बनने के बाद आवारा कुत्तों से शहर को निजात मिलेगी।

बढ़ रहे कुत्तों के काटने के मामले

भोपाल में आवारा कुत्तों की समस्या अब केवल लोगों को डराने या सड़क पर परेशानी पैदा करने तक सीमित नहीं है। यह लोगों की सुरक्षा, बच्चों पर हमले, रेबीज के खतरे और एंटी-रेबीज वैक्सीन की उपलब्धता से जुड़ी गंभीर समस्या बन गई है। शहर में कुत्तों के काटने के मामले तेजी से बढ़े हैं। अस्पतालों में एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाने के आंकड़े बताते हैं कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 96,857 मामलों में कुत्तों ने लोगों को काटा। यानी 2025-26 में औसतन लगभग 266 मामले प्रतिदिन दर्ज हुए। हालांकि ये आंकड़े रेबीज इंजेक्शन लगाए गए मरीजों की संख्या के बजाय काटने के अलावा अन्य जानवरों के हमले के भी मामले शामिल हैं।

2028 के लिए कांग्रेस की तैयारी

विधानसभा प्रभारियों के लिए जारी की गाइडलाइन

30 दिन में बूथ तक पहुंचें, नाराज कार्यकर्ताओं से मिलें, जिलाध्यक्ष की मुसीबत नहीं बनें

‘प्रभारी बनाम जिला अध्यक्ष’ की स्थिति नहीं बनने देगी कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी विधानसभा चुनाव में भले ही दो साल का वक्त बचा हो, लेकिन कांग्रेस चुनावी हिसाब से बिसात बिछाने लगी है। कांग्रेस ने सभी 230 विधानसभा सीटों के प्रभारियों के लिए इंटरनल गाइड लाइन बनाई है। इसमें प्रभारियों की जॉब रिसपॉन्सिबिलिटी तय की गई है। संगठन की मजबूती की निगरानी भोपाल या जिला स्तर से की जाएगी। पार्टी ने विधानसभा प्रभारियों की जिम्मेदारियां तय करते हुए उन्हें 30 दिन में अपनी-अपनी विधानसभा सीट का पूरा संगठन खंगालने के निर्देश दिए हैं।

प्रभारी सिर्फ पदाधिकारियों से रिपोर्ट नहीं लेंगे, बल्कि ब्लॉक, मंडल, पंचायत, बूथ और कार्यकर्ताओं के बीच जाकर संगठन की वास्तविक स्थिति समझेंगे।

सबसे अहम बात यह है कि विधानसभा प्रभारियों को यह पता करना होगा कि कौन-सा बूथ सक्रिय है? कौन-सा निष्क्रिय है? कौन-से कार्यकर्ता काम कर रहे हैं? कहां संगठन सिर्फ कागजों पर चल रहा है? इसके बाद वे इसकी रिपोर्ट जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारी के साथ साझा करेंगे। 30 दिन के काम की अलग रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस को देंगे।

इस व्यवस्था का एक अहम हिस्सा यह है कि विधानसभा प्रभारी और जिला संगठन के बीच अधिकारों को लेकर टकराव न हो। दस्तावेज में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि प्रभारी की भूमिका समन्वय एवं फॉलो-अप की होगी, यानी प्रभारी को संगठन की समस्या पकड़नी है, संबंधित नेतृत्व तक पहुंचानी है और समाधान का फॉलो-अप करना है; खुद संगठन में समानांतर निर्णय नहीं लेने हैं।

अब प्रभारी पूछेंगे- बूथ पर संगठन कर क्या रहा है?

कांग्रेस की गाइड लाइन में विधानसभा प्रभारी की भूमिका को बैठक लेने तक सीमित नहीं रखा गया है। उन्हें पंचायत और वार्ड अध्यक्षों से संवाद करना होगा। बूथ समितियों की सक्रियता देखनी होगी और स्थानीय राजनीतिक स्थिति समझनी होगी, यानी अब प्रभारी के सामने सिर्फ यह रिपोर्ट पर्याप्त नहीं होगी कि बूथ समिति गठित है। उन्हें यह देखना होगा कि समिति जमीन पर सक्रिय भी है या नहीं।



पुराने नेताओं से लेकर नाराज कार्यकर्ताओं तक पहुंचेंगे: विधानसभा प्रभारी 30 दिन में अलग-अलग वर्ग के कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। इसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पुराने संगठन पदाधिकारी, युवा और महिला कार्यकर्ता, एससी-एसटी कार्यकर्ता, किसान कार्यकर्ता, एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल हैं। इसके अलावा निष्क्रिय या नाराज कार्यकर्ताओं से भी बात करने को कहा गया है। इसका मकसद साफ है कार्यकर्ता की समस्या सुनो, संगठन को बताओ और समाधान का फॉलो-अप करो।

प्रदेश का कार्यक्रम बूथ तक पहुंचाने की जिम्मेदारी

प्रदेश कांग्रेस जब भी आंदोलन, जनसभा, पदयात्रा, जनसंवाद, किसान, छात्र, महिला या युवा कार्यक्रम घोषित करेगी, उसे विधानसभा से बूथ और कार्यकर्ता स्तर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी प्रभारी की होगी। प्रभारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रदेश का कार्यक्रम केवल जिला कार्यालय की बैठक या कागज तक सीमित न रह जाए। 30 दिन पूरे होने पर विधानसभा प्रभारी को नई कार्य योजना नहीं, बल्कि स्थिति एवं कार्य निष्पादन रिपोर्ट देनी होगी। इसमें 5 चीजें बतानी होंगी- विधानसभा में संगठन की मौजूदा स्थिति, 30 दिन में किए गए काम, संगठन की प्रमुख समस्याएं, प्रदेश नेतृत्व से अपेक्षित हस्तक्षेप और आगे के लिए सुझाव।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रोड शो में उद्योगपतियों ने दिखाई दिलचस्पी

ऊर्जा से लेकर दवा, कपड़ा, दूरसंचार और डेटा सेंटर तक कई अहम क्षेत्रों में निवेश की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में राज्य सरकार को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुंबई दौरे के दौरान विभिन्न उद्योग समूहों और निवेशकों ने प्रदेश में करीब 90 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए। इन प्रस्तावों से ऊर्जा, औषधि निर्माण, उपभोक्ता वस्तुओं, कपड़ा, दूरसंचार, निर्माण सामग्री और आधुनिक तकनीक जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आगामी वैश्विक निवेशक सम्मेलन-2027 में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के अनुकूल नीतियां, पारदर्शी प्रक्रियाएं, औद्योगिक भूमि, बेहतर अधोसंरचना और कुशल कार्यबल मध्यप्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बनाते हैं। सरकार नए उद्योगों की स्थापना और मौजूदा इकाइयों के विस्तार के लिए आवश्यक अनुमतियां समय पर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारकर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। अवादा समूह ने सौर, पवन और बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के लिए 22,156 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। वहीं, एयरसोर्स समूह की इलेक्ट्रिक बस, बायोगैस और स्मार्ट मीटर परियोजनाओं में लगभग 3,500 करोड़ रुपये का प्रतिबद्ध निवेश प्रगतिरत है। इससे हरित ऊर्जा और आधुनिक परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।



ग्वालियर और इंदौर में भी निवेश आएगा

स्ट्रलाइट टेक्नोलॉजीज ने ग्वालियर में 200 करोड़ रुपये की दूरसंचार उपकरण निर्माण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। इससे करीब 1,000 रोजगार अवसर बनने की संभावना है। कंपनी ने कार्यबल में महिलाओं और दिव्यांगजनों की भागीदारी पर भी विशेष जोर दिया। डी एंड एच इंडिया ने इंदौर के निकट 300 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा है, जिससे लगभग 500 रोजगार अवसर पैदा हो सकते हैं। मीरा कॉर्टन ने कपड़ा और परिधान उद्योग में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना पेश की है।

इससे करीब 4,000 रोजगार अवसर बनने की संभावना है।

आधुनिक तकनीक और निर्माण क्षेत्र पर भी नजर

संपत्ति क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाशीं। हेलो इन्फ्रा मार्केट ने निर्माण सामग्री क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आश्वासन दिया कि भूमि आवंटन, आधारभूत सुविधाओं और आवश्यक अनुमतियों से जुड़ी प्रक्रियाओं में सरकार सहयोग करेगी। अब इन प्रस्तावों को वास्तविक परियोजनाओं में बदलना प्रदेश के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में अहम कदम होगा।

दवा और उपभोक्ता वस्तु उद्योग को मिलेगा विस्तार

एनक्यूब एंथिकल्स ने पीथम्पुर में औषधि निर्माण की दो परियोजनाओं के लिए 1,200 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का प्रस्ताव दिया है। इनसे 800 से अधिक रोजगार अवसर बनने की संभावना है। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने छिद्रवाड़ा में अपनी विनिर्माण इकाई के विस्तार के लिए 800 से 1,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना रखी है। इससे लगभग 700 प्रत्यक्ष और 1,500 अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। वहीं जेएसडब्ल्यू समूह ने सीमेंट, पेंट और इस्पात से जुड़ी मौजूदा परियोजनाओं के विस्तार में रुचि दिखाई। इंडियन डायमंड सीमेंट ने भी 3,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का प्रस्ताव रखा है।

सिफ्री टेक्नोलॉजीज ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुकूल डेटा केंद्र स्थापित करने में रुचि दिखाई। ब्लैक स्टोन और वनराज रियल्टी ने रसद, भंडारण और अचल संपत्ति क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाशीं। हेलो इन्फ्रा मार्केट ने निर्माण सामग्री क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आश्वासन दिया कि भूमि आवंटन, आधारभूत सुविधाओं और आवश्यक अनुमतियों से जुड़ी प्रक्रियाओं में सरकार सहयोग करेगी। अब इन प्रस्तावों को वास्तविक परियोजनाओं में बदलना प्रदेश के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में अहम कदम होगा।

एमपी पुलिस आरक्षक

भर्ती: इस बार सवा दो लाख कम हुए आवेदक

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक के 7,500 पदों पर होने जा रही भर्ती परीक्षा में इस बार करीब सवा दो लाख आवेदक कम हुए हैं। बढ़ती बेरोजगारी के बीच पुलिस मुख्यालय और कर्मचारी चयन मंडल को पिछले वर्ष की तुलना में अधिक आवेदन आने की उम्मीद थी, लेकिन इस बार अभ्यर्थियों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। कर्मचारी चयन मंडल को वर्ष 2025 में आयोजित आरक्षक भर्ती परीक्षा के लिए 9.76 लाख आवेदन मिले थे। वहीं, वर्ष 2026 में 7,500 पदों के लिए कुल 7.51 लाख आवेदन ही जमा हुए हैं। गृह विभाग के प्रस्ताव पर कर्मचारी चयन मंडल ने 22 सितंबर से 6 अक्टूबर तक आवेदन की प्रक्रिया रखी थी।

मध्यप्रदेश में टीबी के खिलाफ बड़ी कामयाबी!

1.12 लाख मरीजों की पहचान, युवाओं को सौंपी उन्मूलन अभियान की कमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में क्षय रोग यानी टीबी के खिलाफ अभियान को बड़ी सफलता मिली है। सघन जांच अभियान के जरिए प्रदेश में अब तक 1.12 लाख टीबी मरीजों की समय पर पहचान की जा चुकी है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि पहले जहां 25 से 30 हजार मरीज ही चिन्हित हो पाते थे, वहीं व्यापक जांच से अधिक मरीजों तक पहुंचकर उनका उपचार शुरू किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से टीबी उन्मूलन अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री गांधी चिकित्सा



महाविद्यालय, भोपाल के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में संयुक्त स्वास्थ्य दल यानी 'जोश' टीम के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने नई दिल्ली से इस पहल का राष्ट्रीय शुभारंभ आभासी माध्यम से किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी से

बचाव और उपचार में समय पर बीमारी की पहचान बेहद महत्वपूर्ण है। नियमित रूप से छह महीने तक दवा लेने, पौष्टिक आहार और निश्चय मित्रों के सहयोग से मरीज स्वस्थ होकर समाज में नई भूमिका निभा रहे हैं। उपचार के बाद कई मरीज अब 'टीबी चैंपियन' बनकर दूसरे लोगों को जागरूक करने में योगदान दे रहे हैं।

महाकौशल और विंध्य के यात्रियों को बड़ा झटका:

25 अक्टूबर से जबलपुर-इंदौर इंडिगो फ्लाइट पर लगेगा ब्रेक, बड़ेगी परेशानी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

इंडिगो ने 24 अक्टूबर से जबलपुर से इंदौर होते हुए हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट को बंद करने का निर्णय लिया है। विंटर शेड्यूल में इस उड़ान को शामिल नहीं किया गया है। जबलपुर और इंदौर के बीच यह एकमात्र सीधी हवाई सेवा थी। इसके बंद होने से इंदौर जाने वाले यात्रियों को अब सड़क मार्ग या अन्य माध्यमों का सहारा लेना पड़ेगा। एयरलाइन अधिकारियों के अनुसार, छोटे एटीआर विमान के मटेनेंस के कारण जबलपुर-इंदौर उड़ान सेवा बंद की जा रही है। हालांकि, डुमना एयरपोर्ट से हैदराबाद के बीच संचालित



उड़ान की क्षमता बढ़ाई जा रही है। इंडिगो इस मार्ग पर 78 सीट वाले छोटे विमान की जगह 186 सीट वाला बड़ा एयरक्राफ्ट संचालित करेगी। जबलपुर चैबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रेम दुबे ने उड़ान सेवा बंद होने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इसका असर पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और उद्योग पर पड़ेगा। व्यापारिक गतिविधियों में समय महत्वपूर्ण होता है और व्यापारी कम

कनेक्टिंग रूट शुरू करने का सुझाव

प्रेम दुबे ने कहा कि एयरपोर्ट के सुधार और विस्तार पर साढ़े चार सौ करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए है। यदि उड़ानें ही संचालित नहीं होंगी तो इस विकास का कोई औचित्य नहीं रहेगा। वीर चार वर्षों में कई बार फ्लाइट शुरू और बंद होने से बाहरी व्यापारी असमंजस में हैं।

समय में दूसरे शहरों तक पहुंचने के लिए विमान सेवा का उपयोग करते हैं। फ्लाइट से इंदौर पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते हैं, जबकि सड़क मार्ग से आने-जाने में अधिक समय लगेगा।

मेट्रो एंकर

किसान की आय, फसल और पानी के हिसाब से तैयार होगी खाद

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के वैज्ञानिक किसानों की आर्थिक उन्नति, भूमि सुधार और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए एक नवोन्मेषी सोर्स बेस्ड कंपोस्ट मॉडल तैयार कर रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अंचल के किसानों को उनकी स्थानीय फसलों, भूमि के प्रकार और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर जैविक व प्राकृतिक खाद बनाने के लिए आत्मनिर्भर बनाना है।

खासबात यह है कि इन इस मॉडल से बनने वाली कंपोस्ट खाद न केवल मुख्य तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटेशियम के अलावा अन्य 17 सूक्ष्म तत्व होंगे। जिससे किसानों की फसल को पूरा पोषण मिलेगा। साथ ही रासायनिक खाद का उपयोग नहीं करना पड़ेगा। साथ ही इन



मॉडलों को बनाने में प्रयास किया जा रहा है कि कार्बन का उत्सर्जन शून्य हो। जिससे वातावरण भी स्वच्छ रहे। यदि कंपोस्ट बनाने का ये मॉडल अपने प्रयोग में सफल रहते हैं तो इन्हें किसानों को अपनाने के लिए बुलाया जाएगा।

एग्रीफोरेस्ट्री वेड नेचुरल मॉडल: यह मॉडल कृषि और वानिकी का बेहतरीन

संसाधनों के अनुसार चयन का विकल्प

इन तीनों मॉडलों को किसान की वित्तीय क्षमता, वार्षिक आय और उनके क्षेत्र में पानी की उपलब्धता को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इससे छोटे, मध्यम और बड़े किसान अपनी आवश्यकता अनुसार सही मॉडल चुनकर कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाली खाद बना सकेंगे। साथ ही किसानों

के पास उपलब्ध एग्री वेस्ट या एनीमल वेस्ट का भी उपयोग कर सकेंगे। इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता शून्य कार्बन उत्सर्जन है। कंपोस्ट बनाने की पारम्परिक प्रक्रियाओं में निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसों पर नियंत्रण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखा जाएगा।

खेती करने वाले किसानों की उच्च पोषण आवश्यकता को पूरा करता है। इस मॉडल उन किसानों के लिए अनुकूल होगा जो जो आर्थिक रूप से भी अधिक सक्षम हैं और उनके पानी की उपलब्धता है।

क्लाइमेट-रिजिलिएंट सिस्टम मॉडल: यह मॉडल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों,

इस तकनीक से रासायनिक उर्वरकों पर किसानों की निर्भरता काफी कम होगी, जिससे खेती की लागत घटेगी। इसके साथ ही लगातार रासायनिक खादों के इस्तेमाल से खराब हो रही मिट्टी की जैविक उर्वरता और जल धारण क्षमता में सुधार होगा।

डॉ. एकता जोशी, वैज्ञानिक व नोडल अधिकारी

जैसे अनियमित वर्षा या सूखे जैसी परिस्थितियों में भी मिट्टी में नमी और जैविक कार्बन बनाए रखने में सक्षम है। इस मॉडल से उन किसानों को फायदा मिलेगा जिनके पास फसलों की सिंचाई के लिए पानी कम है। कम पानी भी इस खाद वे वे अच्छे उत्पादन ले सकेंगे।

खाद्य पदार्थों की शुद्धता केवल कारोबार का विषय नहीं, बल्कि सीधे लोगों के स्वास्थ्य और विश्वास से जुड़ा सवाल है। पतंजलि घी के नमूने असुरक्षित पाए जाने और संबंधित स्टॉक वापस बुलाने के आदेश की खबर इसी सवाल को फिर सामने लाती है। जिस घी को लोग शुद्धता, परंपरा और स्वास्थ्य से जोड़कर अपने घरों में जगह देते हैं, उसके नमूनों पर सुरक्षा संबंधी सवाल उठना गंभीर मामला है। हालांकि, इस मामले में संबंधित नमूनों, बैच और जांच रिपोर्ट के तथ्यों को स्पष्ट रूप से सामने रखना भी उतना ही जरूरी है। आज बाजार में उपभोक्ता किसी उत्पाद को केवल उसकी कीमत या स्वाद के आधार पर नहीं चुनता। ब्रांड की छवि, विज्ञापन और शुद्धता के दावे भी खरीदारी के फैसले को प्रभावित करते हैं। जब कोई कंपनी प्राकृतिक, आयुर्वेदिक या स्वास्थ्य के अनुकूल

उत्पादों की पहचान के साथ बाजार में आती है, तो उससे उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं और बढ़ जाती हैं। ऐसे में खाद्य सुरक्षा के मानकों पर सवाल उठना कंपनी के लिए केवल व्यावसायिक चुनौती नहीं, बल्कि विश्वास की परीक्षा भी है।

यह समझना जरूरी है कि किसी नमूने का असुरक्षित पाया जाना और किसी ब्रांड के सभी उत्पादों को असुरक्षित मान लेना दो अलग बातें हैं। जांच में सामने आए उत्पाद, बैच, निर्माण तिथि और संबंधित मानकों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। यदि किसी खास खेप को वापस बुलाने का आदेश दिया गया है, तो कंपनी को प्रभावित उत्पादों की बिक्री रोकने, वितरकों को सूचना देने और उपभोक्ताओं तक स्पष्ट संदेश पहुंचाने में देरी नहीं करनी चाहिए। उपभोक्ताओं को

खाद्य सुरक्षा में जवाबदेही

यह भी बताया जाना चाहिए कि खरीदे गए उत्पाद के साथ क्या करना है और शिकायत या धनवापसी के लिए कहां संपर्क करना है। इस मामले में खाद्य सुरक्षा नियामकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। केवल नमूने लेना और कार्रवाई का आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं है। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि बाजार से संबंधित स्टॉक वास्तव में हटया गया या नहीं, नियमों का पालन हुआ या नहीं और गड़बड़ी के लिए जिम्मेदारी किसकी है। जांच के निष्कर्ष और कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक होने से उपभोक्ताओं का भरोसा मजबूत होगा।

खाद्य सुरक्षा के मामले में किसी कंपनी की लोकप्रियता, बाजार में उसका आकार या उसकी प्रचार रणनीति कानून से ऊपर नहीं हो सकती। यही नियम छोटे उत्पादकों और बड़े ब्रांडों पर समान रूप से

लागू होना चाहिए। दूसरी ओर, किसी कंपनी के बारे में निष्कर्ष भी प्रमाणों और आधिकारिक जांच के आधार पर ही निकाले जाने चाहिए।

उपभोक्ताओं के लिए भी यह घटना सतर्क रहने का संदेश है। खाद्य पदार्थ खरीदते समय पैकेट पर लिखी जानकारी, बैच नंबर, निर्माण तिथि और गुणवत्ता संबंधी विवरण देखना जरूरी है। किसी उत्पाद के बारे में आधिकारिक चेतावनी जारी हो तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अंततः, किसी भी खाद्य ब्रांड की असली पूंजी उसके विज्ञापन नहीं, बल्कि उत्पाद की गुणवत्ता और उपभोक्ता का विश्वास है। यह विश्वास दावों से नहीं, लगातार सुरक्षित उत्पाद देने और गलती सामने आने पर पारदर्शी कार्रवाई करने से बनता है।

विश्व
डाक
दिवस

बाजार से आगे जनसेवा की मजबूत पहचान है भारत का डाक विभाग

राजेश सिरोटिया

डाक विभाग की केंद्रीय हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य



कभी किसी के घर चिट्ठी पहुंचना सिर्फ खबर पहुंचना नहीं होता था। वह रिश्तों की जीवित रखने का माध्यम होता था। डाकिया केवल डाक नहीं लाता था, वह किसी के लिए उम्मीद, किसी के लिए नौकरी का नियुक्ति-पत्र, किसी के लिए मनीऑर्डर और किसी के लिए दूर बैठे अपने व्यक्ति की कुशल-क्षेम लेकर आता था। डिजिटल क्रांति ने संचार की गति बदल दी है, लेकिन डाक की सामाजिक भूमिका समाप्त नहीं हुई।

हर वर्ष 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस मनाया जाता है। इसी दिन 1874 में स्विट्जरलैंड के बर्न में 22 देशों ने उस संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसने जनरल पोस्टल यूनियन की नींव रखी। 1878 में इसका नाम यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन हुआ। 1969 में टोक्यो में आयोजित यूपीओ कांग्रेस ने 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस घोषित किया। इस इतिहास का कम चर्चित पहलू यह है कि डाक व्यवस्था मूलतः केवल चिट्ठियां पहुंचाने की व्यवस्था नहीं थी। उसका जन्म ही इस विचार से हुआ था कि सीमाओं, भाषाओं और अलग-अलग देशों के नियमों के बावजूद दुनिया में संदेशों के लिए एक साझा रास्ता होना चाहिए। बर्न संधि ने इसी जटिल व्यवस्था को एक साझा अंतरराष्ट्रीय डाक क्षेत्र में बदलने की कोशिश की।

भारत में डाक और निजी कूरियर: भारत में 1980 के दशक के मध्य से 1990 के दशक तक एक समय ऐसा लगा था कि निजी कूरियर कंपनियां डाक विभाग को पीछे छोड़ देंगी। उनकी गति, कॉर्पोरेट कार्यशैली और महानगरों में घर-घर सेवा ने सरकारी डाक व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती खड़ी की। लेकिन कहानी का दूसरा पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है। निजी कूरियर कंपनियां महानगरों, बड़े शहरों और व्यावसायिक केंद्रों में तेजी से फैलीं। वहां उनका कारोबार बढ़ा और उन्होंने मजबूत बाजार बनाया। मगर भारत की वास्तविक सामाजिक और भौगोलिक व्यापकता महानगरों से बाहर दिखाई देती है। गांव, कस्बे, पहाड़ी इलाके, सीमावर्ती क्षेत्र और दूरदराज के मुफस्सिल इलाके आज भी उस भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां केवल बाजार की ताकत के भरोसे सार्वभौमिक सेवा पहुंचाना आसान नहीं है।

यहीं इंडिया पोस्ट की प्रासंगिकता सामने आती है। डाक विभाग का नेटवर्क केवल पत्र और पार्सल पहुंचाने तक सीमित नहीं है। वह बचत, बीमा, वित्तीय सेवाओं, आधार सेवाओं और अनेक नागरिक सेवाओं का माध्यम भी है। डाकघर लंबे समय से वित्तीय समावेशन, पेंशन वितरण, सरकारी योजनाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। ग्रामीण डाक सेवक इस व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ियां में हैं। वे केवल डाक नहीं पहुंचाते, बल्कि कई क्षेत्रों में नागरिकों और सरकारी सेवाओं के बीच संपर्क का काम भी करते हैं। दूरदराज के इलाकों में डाकघर आज भी सूचना, वित्तीय सुविधा और प्रशासनिक पहुंच का भरोसेमंद केंद्र है।

इसी सार्वजनिक नेटवर्क को आधुनिक बनाने की चुनौती आज डाक विभाग के सामने है। विभाग ने पारंपरिक डाक व्यवस्था को आधुनिक लॉजिस्टिक्स, डिजिटल ट्रैकिंग और ई-कॉमर्स सेवाओं से जोड़ने की



सरकारी नियंत्रण बनाम निजी स्वामित्व का सवाल लंबे समय तक राजनीतिक बहस का विषय बना रहा।

डाक और तार दोनों के इतिहास ने एक महत्वपूर्ण सवाल बार-बार सामने रखा—संचार सेवा केवल व्यापार है या सार्वजनिक आवश्यकता भी?

सरकारी या निजी—दुनिया का अनुभव: आज दुनिया में डाक व्यवस्था का कोई एक मॉडल नहीं है। अमेरिका में यूएसपीसी संघीय

सरकार की स्वतंत्र एजेंसी है और उसका मूल दायित्व देश के सभी हिस्सों में सस्ती और विश्वसनीय डाक सेवा उपलब्ध कराना है। फ्रांस में ला पोस्टे सार्वभौमिक डाक सेवा प्रदाता है और उसे पूरे देश में समान तथा सुलभ सेवा उपलब्ध कराने का सार्वजनिक दायित्व मिला हुआ है। जापान में जापान पोस्ट कॉर्पोरेट ढांचे में काम करता है, लेकिन उसका डाक नेटवर्क अत्यंत व्यापक है। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि निजी प्रतिस्पर्धा और सरकारी डाक व्यवस्था हमेशा एक-दूसरे की विरोधी नहीं होतीं। असली सवाल यह है कि बाजार जहां लाभ देता है, वहां प्रतिस्पर्धा हो; लेकिन जहां नागरिक को सेवा चाहिए और लाभ कम हो, वहां सार्वजनिक व्यवस्था पीछे न हटे। विश्व डाक दिवस केवल पुराने पोस्टकार्ड, टिकट और डाकिए को याद करने का दिन नहीं है। यह उस विचार को याद करने का दिन है कि संचार का अधिकार भूगोल और आर्थिक हितों का बंधक नहीं होना चाहिए। भारत जैसे विशाल और विविध देश में डाक विभाग की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वह उन क्षेत्रों तक भी पहुंच बनाए रखता है, जहां निजी सेवाओं की पहुंच सीमित हो सकती है। कई निजी कूरियर सेवाओं का व्यावसायिक मॉडल लाभ वाले क्षेत्रों पर केंद्रित होता है, जबकि डाक विभाग का दायित्व नागरिकों तक सेवा पहुंचाना है—चाहे वह क्षेत्र व्यावसायिक रूप से कितना भी कठिन क्यों न हो।

इसी अर्थ में कहा जा सकता है कि जहां बाजार की पहुंच ठिठक जाए, वहां डाक की पहुंच बनी रहनी चाहिए।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

काला चावल सफेद से कितना बेहतर... शुगर, वजन और सेहत पर दिखेगा असर

चावल भारतीय भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आमतौर पर घरों में सफेद चावल का इस्तेमाल अधिक होता है, लेकिन पिछले कुछ समय से काले चावल को ज्यादा पौष्टिक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। काले चावल का गहरा बैंगनी या काला रंग केवल इसकी पहचान नहीं है, बल्कि इसमें मौजूद प्राकृतिक पौध-तत्वों का संकेत भी है। काले चावल की बाहरी परत में एंथोसायनिन नामक प्राकृतिक रंगद्रव्य पाया जाता है। यही इसे गहरा रंग देता है। इसके अलावा इसमें फेनोलिक



यौगिक और आहार रेशा भी पाया जाता है। ये सभी शरीर में कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाव में भूमिका निभा सकते हैं। काले चावल की अलग-अलग किस्मों में

इन पोषक तत्वों की मात्रा अलग हो सकती है।

सफेद चावल को पॉलिश करने के दौरान उसकी बाहरी परत और चोकर का काफी हिस्सा निकल जाता है। इसके कारण कुछ

रेशा और दूसरे पोषक तत्व कम हो जाते हैं। काले चावल की कई किस्मों में बाहरी रंगीन परत बनी रहती है, इसलिए इनमें आहार रेशा, एंटीऑक्सीडेंट और कुछ अन्य जैव सक्रिय यौगिक अपेक्षाकृत अधिक मिल सकते हैं। आहार रेशा पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है। इससे बार-बार कुछ खाने की इच्छा कम हो सकती है और पाचन तंत्र के लिए भी यह उपयोगी है। लेकिन केवल काला चावल खाने से वजन कम नहीं होता। वजन घटाने के लिए कुल भोजन, कैलोरी, शारीरिक गतिविधि और नींद भी महत्वपूर्ण हैं।

डायबिटीज में कितना उपयोगी: काले चावल को लेकर मधुमेह के संदर्भ में भी शोध हो रही है। कुछ अध्ययनों में रंगीन चावल खाने के बाद भोजन के बाद रक्त शर्करा बढ़ने की गति सफेद चावल की तुलना में कम पाई गई है। एक हालिया अध्ययन में जांचे गए एक काले चावल का ग्लाइसेमिक सूचकांक 49 और एक सफेद चावल का 71 पाया गया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर काला चावल कम ग्लाइसेमिक होगा। चावल की किस्म, प्रसंस्करण और पकाने का तरीका रक्त शर्करा पर असर बदल सकता है।

निशाना

कौन बाजू में उनके नहीं होश कुछ, फोन अपना चलाने से फुरसत नहीं



रूपेन्द्र गौर

उनको रीलों बनाने से फुरसत नहीं। खूब पैसा कमाने से फुरसत नहीं। कौन बाजू में उनके नहीं होश कुछ, फोन अपना चलाने से फुरसत नहीं। थोड़ी सूत कया दे दी खुद ने उन्हें, उनको सेल्फी खिचाने से फुरसत नहीं। ये ईयर फोन क्या आ गया कमबख्त, कान में ये घुसाने से फुरसत नहीं। अंगुलियां चलतीं तूफानी रफ्तार से, रात-दिन सर खपाने से फुरसत नहीं। फेसबुक पर सुबह-शाम स्टालिश, अपनी डी पी लगाने से फुरसत नहीं। फोन ही देवता, फोन ही 'गौर' रब, वक्त इस पर बिताने से फुरसत नहीं

वायरल कंटेंट

उत्तराखंड के किसान का 6 बीघा में महलनुमा घर, 30 कमरे और 120 खिड़कियां

उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में एक किसान का भव्य मकान इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। करीब 6 बीघा जमीन में बने इस मकान की नक्काशी और बनावट ऐसी है कि दूर से देखने पर यह किसी महल जैसा नजर आता है। मकान को देखने के लिए आसपास के इलाकों से लोग पहुंचते हैं। खास बात यह है कि किसान परिवार ने यह जमीन खरीदकर मकान बनवाया है।

यह मकान चौधरी इकबाल सिंह का बताया जाता है। मकान का अगला हिस्सा करीब एक बीघा क्षेत्र में फैला है और इसे पिलर पर तैयार किया गया है। घर में करीब 30 कमरे बताए गए हैं। इनमें छह कमरे नीचे और करीब 25 से 30 कमरे ऊपरी हिस्से में हैं। मकान में करीब 120 खिड़की-दरवाजे हैं। इसकी नक्काशी और डिजाइन इसे सामान्य ग्रामीण मकानों से अलग बनाती है।

इकबाल सिंह के अनुसार मकान को तैयार करने में करीब एक करोड़ रुपए खर्च हुए और इसे बनाने में लगभग दो साल लगे। परिवार के पास तीन लग्जरी कारें और तीन ट्रैक्टर भी हैं। खेती के साथ परिवार की कीटनाशक की दुकान और ठेकेदारी का काम भी है। मुख्य रूप से गन्ने की

खेती की जाती है।इकबाल सिंह बताते हैं कि उनके पिता के पास करीब 58 बीघा जमीन थी। परिवार ने मेहनत और जमीन खरीदकर इसे बढ़ाकर करीब 200 बीघा कर लिया। यानी करीब 150 बीघा जमीन बाद में खरीदी गई। मकान की जमीन भी पुरतैनी नहीं, बल्कि खरीदकर ली गई है।

परिवार में इकबाल सिंह के तीन बेटे हैं, जिनमें दो बेटे साथ रहते हैं। परिवार का कहना है कि उनकी तरक्की का एक बड़ा कारण मिल-जुलकर रहना और खेती के साथ दूसरे काम करना है। उनका मानना है कि परिवार के सदस्य अलग-अलग रहने के बजाय साथ रहें तो खेती के साधनों और खर्च का बेहतर इस्तेमाल हो सकता है।

इकबाल सिंह के बेटे का कहना है कि माता-पिता की सेवा और परिवार की एकजुटता से उन्नति का रास्ता आसान होता है। परिवार के सदस्य रोज शाम साथ बैठते हैं। उनका संदेश है कि बड़ी जमीन या बड़ा मकान ही सफलता की पहचान नहीं, बल्कि मेहनत, अच्छी खेती और परिवार का साथ भी तरक्की की बड़ी वजह है।



वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ घरों, दफ्तरों और अस्पतालों में हवा साफ करने वाले उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ रहा है। अब वैज्ञानिकों ने एक ऐसी नई तकनीक विकसित की है, जो हवा साफ करने वाले फिल्टर को बिजली के प्लग से मुक्त कर सकती है। यह फिल्टर सूर्य की रोशनी और घरों में इस्तेमाल होने वाली एलईडी रोशनी से खुद विद्युत आवेश पैदा कर हवा में मौजूद बेहद छोटे कणों को पकड़ सकता है। चीन की जिलिन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस तकनीक पर काम किया है।

शोध के नतीजे विज्ञान पत्रिका 'केम' में प्रकाशित हुए हैं। इस नए फिल्टर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे लगातार बाहरी बिजली देने की जरूरत नहीं पड़ती। वैज्ञानिकों ने पॉलीप्रोपाइलीन की एक पतली झिल्ली पर विशेष परत चढ़ाई है। जब इस पर प्रकाश और गर्मी पड़ती है तो यह परत विद्युत आवेश पैदा करती है। यह आवेश हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों को अपनी ओर खींचने लगता है। इस तरह फिल्टर हवा से प्रदूषक कणों को अलग करने का काम करता है। **धुलाई के बाद फिर तैयार:** सामान्य हवा साफ करने वाले उपकरणों में फिल्टर समय के साथ धूल और दूसरे कणों से भर जाते हैं। इसके बाद फिल्टर को बदलना पड़ता है। नए फिल्टर की खासियत यह बताई गई है कि इसे पानी से धोकर दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। धुलाई के बाद इसे धूप या साधारण एलईडी रोशनी के नीचे रखने पर यह फिर से विद्युत आवेश हासिल कर लेता है और दोबारा हवा साफ करने के लिए तैयार हो जाता है। शोधकर्ताओं के परीक्षण में फिल्टर ने एक महीने के इस्तेमाल के

बाद भी करीब 99 प्रतिशत सफाई क्षमता बनाए रखी। इसके बाद अगले दो महीनों तक भी इसकी क्षमता करीब 95 प्रतिशत रही। इससे संकेत मिलता है कि यह तकनीक लंबे समय तक इस्तेमाल किए जाने वाले कम रखरखाव वाले फिल्टर तैयार करने में उपयोगी हो सकती है। हालांकि प्रयोगशाला के परिणामों को बड़े पैमाने पर वास्तविक परिस्थितियों में इस्तेमाल से पहले और परीक्षण की जरूरत होगी।

मास्क में भी हो सकता है इस्तेमाल: इस तकनीक का इस्तेमाल केवल कमरे की हवा साफ करने तक सीमित नहीं रहने वाला है। वैज्ञानिकों ने इसी फिल्टर तकनीक से चेहरे के मास्क, खिड़कियों की जालियों और कुछ जैविक उपकरणों के नमूने तैयार किए हैं। भविष्य में इसी आधार पर ऐसे एन95 मास्क विकसित किए जा सकते हैं, जिन्हें धोकर दोबारा इस्तेमाल किया जा सके। इस तकनीक का एक और फायदा यह है कि इसे उन जगहों पर भी इस्तेमाल करने की संभावना है जहां बिजली की उपलब्धता सीमित है। धूप या कृत्रिम रोशनी से दोबारा सक्रिय होने के कारण यह दूरराज के क्षेत्रों में भी उपयोगी हो सकता है।

शोधकर्ताओं का अगला लक्ष्य फिल्टर की स्वयं-सफाई क्षमता को बेहतर बनाना और इसे बड़े पैमाने पर तैयार करने की तकनीक विकसित करना है। यदि आगे के पड़ोशन सफल रहते हैं तो यह तकनीक भविष्य में कम बिजली खपत वाले और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले हवा साफ करने वाले उपकरणों का आधार बन सकती है।



न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा में कांग्रेस का हल्ला बोल, मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पुतला फूँका



तेंदूखेड़ा। भारतीय लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के मुद्दे पर ब्लॉक कांग्रेस कमटी ने काला दिवस मनाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर जमकर नारेबाजी की। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा। फायर ब्रिगेड की मदद से पुतले को बुझाया गया। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। एसडीएम की अनुपस्थिति में एसडीओपी अर्चना अहीर ने ज्ञापन प्राप्त किया। इसमें कांग्रेस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और इंडिया गठबंधन के करीब 300 सांसदों के शांतिपूर्ण मार्च के दौरान कथित दुर्व्यवहार, बल प्रयोग और लाठीचार्ज पर नाराजगी जताई। कांग्रेस ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने, मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष निलेश यादव सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों को मिला आत्मनिर्भरता का सहारा, 304 सहायक उपकरण वितरित



गंजबासौदा। दिव्यांगजनों का जीवन आसान बनाने और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद में खंडस्तरीय सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया। सामाजिक न्याय विभाग और एलिम्को के सहयोग से आयोजित शिविर में 100 हितग्राहियों को 304 सहायक उपकरण वितरित किए गए। शिविर में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, छड़ी, कान की मशीन, ब्लाइंड स्टिक, स्मार्ट केन और नी-कैप सहित विभिन्न उपकरण प्रदान किए गए। नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संचालित एडिप योजना दिव्यांगजनों को जरूरत के अनुरूप उपकरण उपलब्ध कराकर उनका दैनिक जीवन सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सांसद प्रतिनिधि देवेन्द्र यादव और जनपद अध्यक्ष नीतू देवेन्द्र रघुवंशी ने भी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उपकरण मिलने पर हितग्राहियों का फूल-मालाओं से सम्मान किया गया। शिविर में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और एलिम्को की टीम उपस्थित रही।

गिरपतारी के विरोध में सड़कों पर उतरी कांग्रेस, निकाला पैदल मार्च



गंजबासौदा। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अन्य कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमटी ने 'संविधान का काला दिवस' मनाते हुए नगर में पैदल मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। कार्यक्रम की शुरुआत अंबेडकर चौक पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला, जो गांधी चौक पहुंचा। यहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नितिन दुबे ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार संविधान और जनता के मताधिकार की अनदेखी कर रही है। उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी। प्रदर्शन में पूर्व विधायक निशंक कुमार जैन सहित अनेक कांग्रेस नेता, पार्षद और कार्यकर्ता शामिल हुए।

नाम बदलने की मांग, औबेदुल्लागंज में चक्काजाम

दो साल से लंबित प्रस्ताव पर जनता नाराज, स्थायी गौशाला निर्माण की मांग को लेकर भी सड़क पर उतरे नागरिक

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

नगर का नाम परिवर्तन और स्थायी गौशाला निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय नागरिकों का आक्रोश फूट पड़ा। नाराज लोगों ने सड़क पर उतरकर चक्काजाम किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर जल्द कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे राहुल राजपूत ने कहा कि नगर के नाम परिवर्तन को लेकर लंबे समय से मांग की जा रही है। शासन-प्रशासन को कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं। नगर परिषद भी नाम बदलने



के संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर चुकी है, लेकिन दो साल बीतने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बार-बार आश्वासन मिलने से नाराज जनता को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने नगर में स्थायी गौशाला बनाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई।

उन्होंने चेतावनी दी कि नाम परिवर्तन और गौशाला निर्माण की मांगों पर कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रहेगा। चक्काजाम के दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से लंबित प्रस्ताव पर जल्द निर्णय लेने और जनसमस्याओं का निराकरण करने की मांग की।

दमोह के तेंदूखेड़ा में पटवारी, सर्वेयर की कार्यप्रणाली पर किसानों ने लगाए आरोप पक्के मकान में उगा दी धान की फसल सरकारी गिरदावरी पर उठ रहे सवाल

देंतूखेड़ा/दमोह। दोपहर मेट्रो

सरकारी रिकॉर्ड और जमीन पर वास्तविक स्थिति में अंतर का मामला सामने आया है। दमोह जिले की तेंदूखेड़ा तहसील के अमवाही गांव में 60 वर्षीय महिला किसान हक्को बाई के नाम दर्ज खसरा नंबर 289 पर पक्का मकान बना है, लेकिन गिरदावरी रिकॉर्ड में इसी जमीन पर धान की फसल दर्ज कर दी गई। किसान राम सिंह पाल ने आरोप लगाया कि पटवारी और सर्वेयर की गलत गिरदावरी के कारण फसल का पंजीयन नहीं हो सका।

किसान के मुताबिक, फसल बोनो के लिए बैंक से कर्ज लिया गया था। पंजीयन नहीं होने से उपज बेचकर कर्ज चुकाने में परेशानी हो रही है। उनका सवाल है कि जब जमीन पर मकान खड़ा है, तो वहां धान की फसल कैसे दर्ज हो गई? उन्होंने रिकॉर्ड की जांच कर गलती सुधारने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। किसानों का आरोप है कि गड़बड़ी केवल अमवाही तक सीमित नहीं है। तेंदूखेड़ा से तारादेही, झलोन और सर्रा क्षेत्र में भी मक्का बोने के बावजूद गिरदावरी में धान दर्ज किए जाने की शिकायतें हैं। वहीं, हरदुआ पांजी गांव के किसान



मकान वाले खसरे में धान, किसान की बढ़ी परेशानी

अमवाही गांव में हक्को बाई के नाम दर्ज खसरा नंबर 289 पर पक्का मकान है, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में वहां धान की फसल दर्ज है। किसान राम सिंह पाल का आरोप है कि गलत गिरदावरी के कारण फसल का पंजीयन नहीं हो पाया। फसल की बुवाई के लिए बैंक से कर्ज लेने के बाद

कृष्णा यादव का आरोप है कि उनके गांव में किसी किसान ने मूंग नहीं बोई, फिर भी 50 से अधिक किसानों के खसरों में मूंग दर्ज कर दी गई, जबकि खेतों में मक्का खड़ी है। इन

अब उसे चुकाने की चिंता बढ़ गई है। किसान का कहना है कि यदि फसल का पंजीयन नहीं होगा, तो उपज बेचने और आर्थिक नुकसान से बचने में परेशानी आएगी। उन्होंने संबंधित खसरे की जांच कर रिकॉर्ड दुरुस्त करने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतों ने गिरदावरी की प्रक्रिया और मौके पर सत्यापन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसानों ने उच्चस्तरीय जांच, रिकॉर्ड में सुधार और फसल पंजीयन कराने की मांग की है।

लोकसेवा केंद्र और शौचालय कॉम्प्लेक्स के बाद अब बन रहा एसडीएम भवन तहसील परिसर की जमीन पर सवाल निजी नामों के बीच सरकारी निर्माण!

देंतूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तहसील कार्यालय परिसर में भूमि स्वामित्व और शासकीय निर्माण को लेकर सवाल उठने लगे हैं। उपलब्ध कराए गए राजस्व अभिलेखों के अनुसार, परिसर से जुड़ी कुछ भूमियों पर निजी व्यक्तियों के नाम दर्ज बताए जा रहे हैं। वहीं, इन्हीं जमीनों पर लोकसेवा केंद्र, शौचालय कॉम्प्लेक्स सहित अन्य सुविधाओं का निर्माण हुआ है। अब इसी क्षेत्र में एसडीएम कार्यालय के नए भवन का निर्माण भी शुरू हो गया है। ऐसे में भूमि के स्वामित्व और शासकीय उपयोग की वैधानिक स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है।

पुराने और वर्तमान रिकॉर्ड में अलग-अलग नाम

मामला खसरा नंबर 170, 166 और 162/2 सहित अन्य भूमियों से संबंधित बताया जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, खसरा नंबर

167, रकबा 0.036 हेक्टेयर के वर्तमान रिकॉर्ड में दमयंती, दीपिका, वंदना और अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज बताए गए हैं। वहीं, वर्ष 1988-92 के रिकॉर्ड में परमू सेन का नाम होने की जानकारी सामने आई है। इसी प्रकार, खसरा नंबर 166/2, रकबा 0.083 हेक्टेयर में अर्चनाबाई पति अजित कुमार जैन का नाम दर्ज बताया गया है। खसरा नंबर 162/2, रकबा 0.180 हेक्टेयर के संबंध में भी उनके नाम का उल्लेख होने की जानकारी है। हालांकि, कुछ खसरों के रकबे और पुराने अभिलेखों को लेकर अलग-अलग विवरण सामने आए हैं, जिनका प्रमाणित रिकॉर्ड से सत्यापन आवश्यक है।

निर्माण कार्यों की अनुमति भी जांच के दायरे में

जानकारी के अनुसार, संबंधित भूमि पर करीब 14 लाख रुपये की लागत से

शौचालय कॉम्प्लेक्स बनाया गया, जो अधूरा बताया जा रहा है। वहीं, लोकसेवा केंद्र के निर्माण के बाद अब एसडीएम कार्यालय का भवन भी बन रहा है।

दस्तावेजों की जांच से स्पष्ट होगी स्थिति

मुख्य सवाल यह है कि संबंधित जमीनों पर शासकीय निर्माण किस आधार पर कराए गए। क्या भूमि का अधिग्रहण, हस्तांतरण अथवा शासकीय उपयोग के लिए आवंटन किया गया था? इसका जवाब प्रमाणित खसरा रिकॉर्ड, नामांतरण आदेश, भूमि उपयोग संबंधी दस्तावेजों और निर्माण स्वीकृतियों की जांच से ही मिल सकेगा। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर भूमि स्वामित्व को लेकर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन किसी अनियमितता की पुष्टि दस्तावेजी जांच के बाद ही हो सकेगी।

कम बारिश होने से नर्मदापुरम को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कलेक्टर को लिखा पत्र

नर्मदापुरम। जिले में सामान्य से कम बारिश के चलते फसलों पर मंडराते संकट को देखते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत 'गुड्डन' पांडेय ने नर्मदापुरम को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर को पत्र लिखकर वर्षा और फसलों की स्थिति का वैज्ञानिक एवं निष्पक्ष सर्वे कराने की अपील की है।

पांडेय ने कहा कि नर्मदापुरम कृषि प्रधान जिला है और बड़ी संख्या में किसान खेती पर निर्भर हैं। बारिश की कमी से खेतों में पर्याप्त नमी नहीं होने के कारण फसल उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने मांग की कि प्रत्येक विकासखंड में गांव-गांव जाकर खेतों की वास्तविक स्थिति, वर्षा और संभावित नुकसान का आकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे में सूखे की स्थिति सामने आने पर जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की अनुशंसा शासन को तत्काल भेजी जाए, ताकि प्रभावित किसानों को फसल क्षतिपूर्ति, राहत राशि और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

दिल्ली जा रहे सीजेपी कार्यकर्ताओं को इटारसी में ट्रेन से उतारा



इटारसी। दोपहर मेट्रो

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के कार्यकर्ताओं को आज सुबह इटारसी रेलवे स्टेशन पर गोवा एक्सप्रेस के जनरल कोच से उतार दिया गया। कार्रवाई के बाद युवाओं ने स्टेशन पर नारेबाजी कर नाराजगी जताई।

प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और चुनाव व मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर दिल्ली जा रहे थे। ट्रेन से उतारे जाने के दौरान एक युवती ने पुलिसकर्मियों पर कपड़े खींचने और अभद्रता करने का आरोप लगाया। हालांकि, आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। कार्रवाई के दौरान जीआरपी और जिला पुलिस बल के जवानों सहित करीब 100 पुलिसकर्मियों की तैनाती बताई गई। कार्यकर्ताओं को रिजर्व वाहन से एक रिसॉर्ट में ले जाया गया, जहां पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद बताई गई। उन्हें किस आधार पर रोका गया, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। पुलिस का पक्ष भी सामने नहीं आया है।

पितृ व्याख्यान के 13वें दिन बताया श्राद्ध-तर्पण का विधान श्रद्धा से किया अर्पण पितरों तक पहुंचता है : केशव गुरुजी



गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

पितृ व्याख्यान के 13वें दिन आचार्य पंडित केशव गुरुजी ने श्राद्ध-तर्पण का विधान समझाते हुए कहा कि श्रद्धा और विधि-विधान से किया गया अर्पण पितरों तक पहुंचता है। स्कंद पुराण में वर्णित राजा करधम और शिवयोगी महाकाल के संवाद का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने नाम-गोत्र के उच्चारण के साथ मंत्रपूर्वक तर्पण करने का महत्व बताया।

केशव गुरुजी ने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार गौशाला में बछड़ा, सैकड़ों गायों के बीच अपनी मां को पहचान लेता है, उसी प्रकार विधिपूर्वक

किया गया अर्पण अपने पितरों तक पहुंचता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपनी सामर्थ्य के अनुसार श्राद्ध और तर्पण करने का आग्रह किया। नैलखी धाम के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने कहा कि कलियुग में नाम मंत्र का विशेष महत्व है। विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने युवाओं को कथा और सत्संग से जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि संस्कारवान युवा राष्ट्र की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आरती में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मधुलिका अग्रवाल, भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, पार्षद नीलू चौबे सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

जामुन पंचायत में निर्माण के बाद से नहीं हुआ उपयोग, गेट भी गायब

झाड़ियों में गुम हुआ मुक्तिधाम, टीनशेड बदहाल

देंतूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ग्रामीणों को बारिश के दिनों में अंतिम संस्कार की परेशानी से राहत दिलाने के लिए बनाया गया मुक्तिधाम ग्राम पंचायत जामुन में बदहाली का शिकार है। यहां कंटीली झाड़ियों और खरपतवार ने पूरे परिसर को घेर लिया है। टीनशेड और चबूतरे क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जबकि सफाई और रखरखाव के अभाव में शवदाह के लिए पर्याप्त जगह भी नहीं बची है। ग्रामीणों का दावा है कि निर्माण के बाद से आज तक मुक्तिधाम का उपयोग नहीं हुआ।

ग्रामीणों के अनुसार, पानी की टंकी के पास मुख्य मार्ग किनारे बनाए गए मुक्तिधाम की देखरेख नहीं होने से लोहे के पाइप और



टीनशेड खराब हो गए हैं। सामने लगा मजबूत लोहे का गेट भी पिछले कुछ महीनों से गायब है।

खेतों और सड़क किनारे करना पड़ रहा अंतिम संस्कार

मुक्तिधाम उपयोग के लायक नहीं

होने से जिन ग्रामीणों के पास खेत हैं, वे खेतों के पास अंतिम संस्कार करते हैं। वहीं, अन्य परिवार गांव के बाहर सड़क किनारे शवदाह करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इससे उन्हें मानसिक, सामाजिक और धार्मिक परेशानियों का सामना

करना पड़ता है।

शिकायतों के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

ग्रामीणों ने सरपंच, सचिव और जनपद पंचायत के अधिकारियों से कई बार शिकायत कर सफाई, मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था बहाल करने की मांग की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। अब ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई और निर्माण कार्य की जांच कराने की मांग की है। पक्ष जानने का प्रयास: सरपंच प्रतिनिधि योगेंद्र सिंह टेकाम से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। उनका पक्ष मिलने पर प्रकाशित किया जाएगा।

डॉ. एके जैन को मानद डॉक्टरेट के साथ मिला मध्यप्रदेश रत्न



गंजबासौदा। सामाजिक सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन भारत के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एके जैन को भोपाल में आयोजित समारोह में दो प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। प्रेस क्लब वेलफेयर वर्ल्ड वाइस फाउंडेशन भारत ने उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की, जबकि वर्ल्ड वाइस फाउंडेशन ने 'मध्यप्रदेश रत्न' सम्मान से सम्मानित किया। डॉ. जैन लंबे समय से स्वास्थ्य जागरूकता, चिकित्सा शिविरों और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यालय, पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण शाला (एमटी), भोपाल (म.प्र.)

पुलिस मुख्यालय, भोपाल के जनेटर सेटों के रख-रखाव हेतु 01 वर्ष के लिए अनुबंध हेतु

कार्यालय पुलिस अधीक्षक पुलिस प्रशिक्षण शाला (एमटी), भोपाल के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय भोपाल के जनेटर सेटों के रख-रखाव हेतु 01 वर्ष के लिए अनुबंध हेतु खुली निविदा आमंत्रित की गई है। नियम एवं शर्तें तथा अनुबंध की विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in तथा www.mppolice.gov.in की वेबसाइट पर प्राप्त की जा सकती है।

निविदा प्रकाशन की दिनांक	05/10/2026 के 17:00 बजे।
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ की दिनांक	05/10/2026 के 18:00 बजे।
प्रो बिड मीटिंग दिनांक	08/10/2026 के 11:00 बजे।
निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	10/10/2026 के 11:00 बजे।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	26/10/2026 के 14:00 बजे।
निविदा खोलने की दिनांक	27/10/2026 के 17:00 बजे।

G-19691/26	“ स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता ”	पुलिस अधीक्षक, पी०टी०एस० (एमटी), भोपाल
------------	---------------------------------------	--

न्यूज विंडो

दिवाली से पहले बड़ी खेप पकड़ी, बस की छत से 500 किलो आतिशबाजी जब्त



छतरपुर। दिवाली के त्योहार से पहले पटाखों के अवैध परिवहन के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यात्री बस की छत से करीब 500 किलोग्राम पटाखे जब्त किए हैं। यह कार्रवाई लवकुशनगर थाना पुलिस ने की। जब्त आतिशबाजी की अनुमानित कीमत 1 लाख 57 हजार रुपए बताई गई है। त्योहारी सीजन में पटाखों के परिवहन पर निगरानी के बीच पुलिस ने यह कार्रवाई की। मामले में पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम सहित संबंधित कानूनी धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। अब पटाखों के परिवहन से जुड़े मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध रूप से पटाखों का परिवहन करने वालों पर शिकंजा कसने का संकेत मिला है।

मुरैना : अस्पताल के मेटरनिटी वार्ड में भिड़ी दो महिलाएं, बाल पकड़कर की मारपीट

मुरैना। जिला अस्पताल के मेटरनिटी वार्ड में पलंग पर बैठने को लेकर दो महिलाओं के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया। दोनों महिलाएं एक-दूसरे के बाल पकड़कर भिड़ गईं। घटना के दौरान वार्ड में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों के बीच अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाएं अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ आई थीं। मेटरनिटी वार्ड में पलंग पर बैठने को लेकर उनके बीच पहले कहासुनी हुई। इसके बाद विवाद बढ़ता चला गया और दोनों महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ मारपीट शुरू कर दी। अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर हुई इस घटना से वहां मौजूद लोगों में हलचल मच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों महिलाएं आपस में भिड़ती दिखाई दे रही हैं। हालांकि, विवाद के बाद की स्थिति और मामले में किसी तरह की कार्रवाई को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

जबलपुर : ट्रेन में यात्रियों से मांग रहे थे पैसे आरपीएफ ने तीन किन्नरों पर की कार्रवाई

जबलपुर। ट्रेन में यात्रियों से पैसे मांगने के मामले में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तीन किन्नरों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। तीनों बिना अधिकार पत्र के ट्रेन में यात्रा करते हुए मिले थे। आरपीएफ ने उनके विरुद्ध रेल अधिनियम की संबंधित धाराओं में अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। आरपीएफ के मुताबिक, गाड़ी संख्या 11401 के इटारसी आउटर पर रुकने के दौरान ट्रेन की जांच की जा रही थी। इसी दौरान तीन किन्नर यात्रियों से पैसे मांगते हुए मिले। पूछताछ में उन्होंने यात्रियों से पैसे मांगने की बात बताई। इसके बाद आरपीएफ ने तीनों के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा 137 और 145 के तहत कार्रवाई की। इस मामले में अपराध क्रमांक 2737/2026, 2738/2026 और 2739/2026 दर्ज किए गए हैं। रेलवे सुरक्षा बल ने नियमों के उल्लंघन के मामले में आगे की वैधानिक प्रक्रिया शुरू की है।

झाड़ियों में छिपे बाघ का अचानक हमला बकरियां चराकर लौट रही महिला घायल

पन्ना। जिले के ग्राम पंचायत हनौता में बाघ के हमले से 48 वर्षीय आदिवासी महिला गुलाब बाई गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना उस समय हुई, जब वह बकरियां चराकर घर लौट रही थीं। रास्ते में झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक पीछे से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला। महिला पर बाघ के हमले की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों के शोर से बाघ महिला को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। महिला को प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय पन्ना रेफर किया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जंगल और आसपास के इलाकों में आने-जाने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

नरसिंहपुर : वोट चोरी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, पुतला दहन पर पुलिस से झड़प



नरसिंहपुर। कथित वोट चोरी के विरोध में नरसिंहपुर में कांग्रेस ने प्रदर्शन कर केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आयोजित प्रदर्शन दिल्ली में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और इंडिया बर्लोक के सांसदों को प्रदर्शन के दौरान रोके जाने तथा हिरासत में लिए जाने के विरोध में किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान की रक्षा की मांग उठाते हुए पुतला दहन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प की स्थिति बन गई। हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। कुछ समय तक घटनास्थल पर तनाव बना रहा। प्रदर्शन के बाद पुलिस ने मौके से कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इस दौरान भी कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और संवैधानिक मुद्दों पर उठने वाली आवाज को दबाया नहीं जाना चाहिए। प्रदर्शन में पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र रघुवंशी, गणेश पटेल, रुद्रेश तिवारी, रोहित पटेल, अजय दुबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलेक्टर का एक्शन, योजनाओं में लापरवाही करने पर 12 पटवारियों को किया निलंबित, 137 को नोटिस

सागर। दोपहर मेट्रो

शासन की जनहितैषी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सख्त रुख अपनाया है। हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में उदासीनता और कार्यों में गंभीर लापरवाही के मामलों में जिले के 12 पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, 137 अन्य पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। इस कार्रवाई से राजस्व अमले में हड़कंप की स्थिति है।

प्रशासन के अनुसार, राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली हितग्राही मूलक योजनाओं का सीधा संबंध आम नागरिकों और किसानों से है। इन योजनाओं के तहत निर्धारित कार्य समय पर पूरे नहीं होने से पात्र हितग्राहियों को लाभ मिलने में देरी होती है और वे शासकीय योजनाओं के फायदे से वंचित रह सकते हैं। समीक्षा बैठकों और मैदानी निरीक्षण के दौरान सामने आई अनियमितताओं तथा लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की। प्रशासन का उद्देश्य

योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचाना और सरकारी कामकाज में जवाबदेही सुनिश्चित करना है। हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही के मामले में मीना खैरवार, लक्ष्मी जाटव, अखिलेश दीक्षित, राजकुमार गोड़, भूपेन्द्र राज, अजय श्रीवास्तव, गोविन्द राय, पुष्पेन्द्र भदौरिया, महेन्द्र अर्गल, योगेन्द्र प्रताप, दिलीप राजा और अभिषेक कोरी को निलंबित किया गया है। कलेक्टर ने योजनाओं का समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

कचरा गाड़ी के नाम पर वसूली का खेल निगमायुक्त ने दिए एफआईआर के निर्देश

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम की कचरा गाड़ियों के नाम पर शहर के विभिन्न वार्डों में अज्ञात व्यक्ति द्वारा रुपए मांगने का मामला सामने आया है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने संबंधित अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

नगर निगम के अनुसार, शिवाजी नगर, तिली, बाघराज, काकागंज, पंतनगर, लक्ष्मीपुरा और केशवगंज वार्डों से कचरा गाड़ी के नाम पर रुपए मांगने की



शिकायतें मिली हैं। निगमायुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि कचरा संग्रहण के नाम पर कोई राशि न दें और ऐसे व्यक्ति की जानकारी तत्काल नगर निगम को दें। इसके लिए मोबाइल नंबर 9111016108, 9111016104 और 9111016153 जारी किए हैं।

शराब दुकान के विरोध में चक्काजाम, कांग्रेस नेता समेत सात पर केस मढ़ई में 32 घंटे चला महिलाओं का धरना, स्टेट हाईवे एक घंटे रहा जाम, पर्यटकों को भी हुई परेशानी नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मढ़ई-सारंगपुर स्थित शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर हुए चक्काजाम के मामले में सोहागपुर पुलिस ने कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पराज पटेल, मालनवाड़ा निवासी घनश्याम कीर और पांच अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर जाम लगाया, जिससे वाहनों की कतार लग गई।

शराब दुकान के विरोध में महिलाओं का धरना मंगलवार सुबह 11 बजे शुरू हुआ, जो बुधवार शाम 5 बजे तक चला। इस दौरान आदिवासी महिलाओं ने रातभर खुले आसमान के नीचे सड़क पर बिताई। महिलाओं का आरोप था कि शराब दुकान के आसपास नशे में रहने वाले लोग महिलाओं और स्कूली छात्राओं से अभद्रता करते हैं। प्रशासन ने दुकान एक अप्रैल तक हटाने का आश्वासन दिया है।

एसडीओपी अरविंद शाह के मुताबिक, लांचा-बम्होरी फांटे के पास करीब एक घंटे चक्काजाम रहा। पुलिस ने दो नामजद और पांच अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया है।

प्रदर्शन के कारण मढ़ई घूमने आए देशी-विदेशी पर्यटकों को भी रास्ते में रोका गया। बाद में पुलिस-प्रशासन ने उन्हें वैकल्पिक मार्ग से होटल पहुंचाया।

विधायक निवास पर हुई जनसुनवाई, 193 आवेदनों से सामने आई जनता की समस्याएं

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कई मामलों का मौके पर किया समाधान

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

आमजन की समस्याओं को सुनने और उनके निराकरण के लिए विधानसभा क्षेत्र के पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा प्रत्येक गुरुवार को विधायक निवास पर जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस सप्ताह आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं और मांगों से जुड़े कुल 193 आवेदन प्रस्तुत किए। जालम सिंह पटेल ने आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया गया।

जनसुनवाई में पहुंचे लोगों ने अपनी व्यक्तित्व और सार्वजनिक समस्याओं को सामने रखा। प्राप्त

आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि कई प्रकरणों को तत्काल संबंधित विभागों के पास भेजा गया है, जबकि अनेक मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। जालम सिंह पटेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान उनकी प्राथमिकता है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचना चाहिए। इसके लिए

जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का मंच

जनसुनवाई के माध्यम से नागरिक सीधे जनप्रतिनिधि के सामने अपनी बात रख पा रहे हैं। बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी के चलते यह व्यवस्था जनसमस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने का माध्यम बन रही है। आवेदनों पर कार्रवाई और शिकायतों के निराकरण से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक सहित प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और समाजसेवी उपस्थित रहे।

सभी विभागों को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा।

नपाध्यक्ष नीतू ने सुनीं समस्याएं जल्द निराकरण के लिए निर्देश



नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका में आयोजित जनसुनवाई में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कुछ समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया गया, जिससे संबंधित नागरिकों को राहत मिली।

अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित की जा रही

है। इसका उद्देश्य नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं को सुनकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। जनसुनवाई के दौरान नपाध्यक्ष ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए। साथ ही आवेदकों को उनकी शिकायत पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी दी जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की दैनिक समस्याओं का जल्द समाधान करना नगरपालिका की जिम्मेदारी है।

मेट्रो एंकर

देवरी में रॉयल पब्लिक स्कूल के बच्चों को लाने-ले जाने में लगी मारुति वैन के नहीं मिले दस्तावेज

बच्चों की जान से खिलवाड़...LPG किट से चल रही स्कूल वैन जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ताक पर रखकर एलपीजी गैस किट से संचालित मारुति वैन में बच्चों को लाने-ले जाने का मामला सामने आया है। देवरी में स्कूल वाहनों की जांच के दौरान क्षेत्रीय परिवहन विभाग की टीम ने रॉयल पब्लिक स्कूल में संचालित वैन क्रमांक एमपी-15-बीआर-2623 को जब्त किया है। वाहन के चालक से दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह मौके पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में वैन में एलपीजी गैस किट लगी मिली। इसके ऊपर बच्चों के बैठने के लिए सीट भी बनाई गई थी।

ग्राइवेट वाहन का हो रहा था स्कूल में उपयोग

जांच में सामने आया कि उक्त मारुति वैन निजी श्रेणी में पंजीकृत थी, लेकिन इसका इस्तेमाल अनधिकृत रूप से स्कूली बच्चों को



लाने-ले जाने के लिए किया जा रहा था। परिवहन विभाग ने वाहन जब्त कर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय, सागर परिसर में

सुरक्षित रखवा दिया है। साथ ही संबंधित वाहन के खिलाफ पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

बिना दस्तावेज तीन ई-रिक्शा भी जब्त

इसी अभियान के तहत शहरी क्षेत्र में जांच के दौरान तीन ई-रिक्शा भी जब्त किए गए। इन वाहनों में चालक लाइसेंस, पंजीयन और बीमा सहित जरूरी नियमों के उल्लंघन की शिकायतें सामने आईं। विभाग ने तीनों ई-रिक्शा को भी कार्यालय परिसर में सुरक्षित रखवाया है।

अभिभावकों से सतर्क रहने की अपील

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने कहा कि लगातार जांच के बावजूद कुछ वाहन संचालक एलपीजी किट लगाकर स्कूली वाहन चला रहे हैं, जो बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को एलपीजी किट से चलने वाले या अनफिट दिखने वाले वाहनों से स्कूल न भेजें।

नई राह, नया जुनून और चेहरे पर मुस्कान...

अनाया बांगड़ ने गोल्फ कोर्स में दिखाया जिंदगी का नया अंदाज

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर के बेटे से बेटी के रूप में अपनी नई पहचान बनाने वाली अनाया बांगड़ इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस बार चर्चा क्रिकेट को लेकर नहीं, बल्कि गोल्फ को लेकर हो रही है। अनाया ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें वह रात के समय गोल्फ ड्राइविंग रेंज पर शॉट्स लगाती नजर आ रही हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

अनाया ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में गोल्फ ड्राइविंग रेंज की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। कृत्रिम रोशनी से जगमगाती रेंज में वह पूरे गोल्फ अंदाज में क्लब संभालकर शॉट लगाने की तैयारी करती दिखाई दीं। पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, दिन बिताने का एक नया पसंदीदा तरीका मिल गया। उनके इस कैप्शन से साफ संकेत मिलता है कि गोल्फ उन्हें काफी पसंद आया है और यह उनके लिए सिर्फ एक बार आजमाया गया खेल नहीं है।

सोशल मीडिया पर फैन्स ने लुटाया प्यार- अनाया की पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने उस पर खूब प्रतिक्रिया दी। फैन्स ने हार्ट और फायर इमोजी के जरिए उनका उत्साह बढ़ाया। गोल्फ क्लब के साथ अनाया का यह नया अंदाज उनके क्रिकेट प्रेमी फैन्स के लिए भी काफी अलग और दिलचस्प रहा।

क्रिकेट से रहा है गहरा रिश्ता

अनाया बांगड़ का क्रिकेट से पुराना नाता रहा है। वह मुंबई के लिए एज-ग्रुप क्रिकेट खेल चुकी हैं। बाद में उन्होंने 2022 में अपनी जेंडर ट्रांजिशन प्रक्रिया शुरू की। मार्च 2026 में उन्होंने जेंडर-अफ़र्मिंग सर्जरी कराई। इसके बाद वह अनाया बांगड़ के नाम और पहचान के साथ अपनी जिंदगी को आगे बढ़ा रही हैं।



महिला क्रिकेट खेलने का सपना



अनाया का लक्ष्य महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना है और वह इसके लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। हाल ही में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नीति के तहत उन्हें ऑस्ट्रेलिया में महिला कम्प्यूनिटी क्रिकेट खेलने की मंजूरी भी मिली थी। ऐसे में क्रिकेट उनके जीवन का अहम हिस्सा बना हुआ है। फिलहाल, उनकी नई पोस्ट से इतना जरूर नजर आ रहा है कि क्रिकेट के साथ गोल्फ भी उनकी पसंद की सूची में शामिल होता जा रहा है। रात की रोशनी में गोल्फ शॉट्स लगाती अनाया का यह अंदाज सोशल मीडिया पर उनके फैन्स को ख़ासा पसंद आ रहा है।

कार्लोस की नजर अब शंघाई मास्टर्स पर, बोले- चुनौती के लिए तैयार हूं



शंघाई। जापान ओपन इतिहास रचने वाले स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के हैसिले बुलंद हैं। इतना ही नहीं उन्होंने शंघाई मास्टर्स जीतने के लिए भी हुंकार भर दी है। कार्लोस ने कहा है कि वह इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह मानसिक तौर पर खुद को तरोताजा महसूस कर रहे हैं और इस प्रतियोगिता को जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे। अल्काराज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनके लिए मानसिक रूप से फ्रेश रहना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने माना कि कुछ साल पहले सीजन का यह हिस्सा उनके लिए बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन इस बार वह शंघाई में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। उनके मुताबिक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन उन्हें सीजन के बाकी हिस्से के लिए अतिरिक्त आत्मविश्वास दे सकता है। अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया था, लेकिन वह अपने खिताब का बचाव नहीं कर सके।

विश्व कप 2027 से पहले टीम इंडिया के सामने 4 बड़े सवाल

शुभमन-रोहित की जोड़ी मजबूत, लेकिन चोट की स्थिति में कौन संभालेगा मोर्चा?

नई दिल्ली, एजेंसी

वनडे विश्व कप 2027 के कार्यक्रम का ऐलान हो चुका है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में अगले साल होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी। खिताब की दावेदार मानी जा रही भारतीय टीम के सामने हालांकि अभी कई सवाल खड़े हैं। टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को विश्व कप से पहले इन सवालों के जवाब तलाशने होंगे। भारत के पास अब विश्व कप से पहले केवल 11 एकदिवसीय मुकाबले और एशिया कप है, इसलिए टीम संयोजन को जल्द अंतिम रूप देना जरूरी होगा।

शुभमन गिल और रोहित शर्मा के विश्व कप में पारी की शुरुआत करने की संभावना मजबूत है। असली चिंता इनके विकल्प को लेकर है। यदि दोनों में से कोई बल्लेबाज चोटिल होता है तो टीम के पास ऐसा सलामी बल्लेबाज नजर नहीं आ रहा, जिसे पर्याप्त वनडे अनुभव हो। यशस्वी जायसवाल लगातार टीम में चुने जाते रहे हैं, लेकिन उन्हें मैदान पर ज्यादा मौके नहीं मिले। उन्होंने अब तक सिर्फ छह वनडे खेले हैं और 2026 में भी उन्हें केवल दो मुकाबलों में उतारा गया। ईशान किशन को विकल्प माना जा रहा है तो उन्होंने भी इस साल केवल पांच वनडे खेले हैं। ऐसे में विश्व कप से पहले बैकअप सलामी बल्लेबाज को तैयार करना बड़ी जरूरत बन गई है।



मध्यक्रम का समीकरण अब तक साफ नहीं

भारतीय टीम के मध्यक्रम को लेकर भी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में ईशान किशन को एक मुकाबले में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, जबकि दूसरे मैच में श्रेयस अय्यर ने यह जिम्मेदारी संभाली। केएल राहुल की बल्लेबाजी क्रम में भी लगातार बदलाव देखने को मिला है। विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले खिलाड़ियों की भूमिका और बल्लेबाजी क्रम तय होना जरूरी है। टीम के निचले क्रम को लेकर भी चिंता है। वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल से जिस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद थी, वह अब तक पूरी तरह देखने को नहीं मिला है।

विकेटकीपर कौन? राहुल, पंत या ईशान

विकेटकीपिंग भी भारतीय टीम के लिए बड़ा सवाल बनी हुई है। वनडे में केएल राहुल आमतौर पर विकेट के पीछे बल्लेबाजी संभालते रहे हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में लंबे समय तक विकेटकीपिंग उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ऋषभ पंत को टीम से बाहर किए जाने के बाद उनकी वापसी की संभावना फिलहाल कमजोर दिखाई देती है। दूसरी ओर ईशान किशन को वनडे में विकेटकीपर के रूप में लगातार मौके नहीं मिले हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं को विश्व कप से पहले इस भूमिका को लेकर स्पष्ट फैसला करना होगा।

2027 से पहले पंजाब किंग्स में भगदड़

साईराज बहुतुले के बाद अब ब्रैड हेडिन-जेम्स होप्स ने छोड़ा साथ

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2027 से पहले पंजाब किंग्स के सहयोगी स्टाफ में भगदड़ मच गई है। स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले के बाद अब फील्डिंग कोच ब्रैड हेडिन और तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने भी फ्रेंचाइजी का साथ छोड़ दिया है। तीनों के जाने से टीम के सहयोगी स्टाफ में तीन महत्वपूर्ण पद खाली हो गए हैं। इतना ही नहीं, सहयोगी स्टाफ का साथ छोड़ना पीबीकेएस की मालकिन प्रीति जिंटा के लिए बड़े झटके के रूप में भी देखा जा रहा है।

हेडिन और होप्स ने प्रबंधन को दी जानकारी- रिपोर्ट के अनुसार, ब्रैड हेडिन और जेम्स होप्स ने हाल ही में पंजाब किंग्स प्रबंधन को अपने फैसले की जानकारी दी। दोनों के बिग बैश लीग में नई भूमिकाओं से जुड़ने की संभावना जताई जा रही है। फ्रेंचाइजी ने अब तीनों पदों के लिए नए उम्मीदवारों की तलाश शुरू कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर ब्रैड हेडिन पंजाब किंग्स के क्षेत्ररक्षण कोच थे, जबकि पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स होप्स गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

नीलामी से पहले नियुक्तियों की तैयारी

पंजाब किंग्स प्रबंधन नए उम्मीदवारों की तलाश में जुट गया है। अंतिम नियुक्तियों में पॉटिंग की सहमति महत्वपूर्ण होगी। माना जा रहा है कि फ्रेंचाइजी आईपीएल 2027 की खिलाड़ियों की नीलामी से पहले तीनों पदों को भरना चाहती है, ताकि नए सत्र की रणनीति, खिलाड़ियों की तैयारी और टीम की योजनाओं पर पूरी कोविंग टीम के साथ काम शुरू किया जा सके।

कम खेलोगे तो चोट का खतरा बढ़ेगा

हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर कपिल देव की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के स्टार हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या की वापसी का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर चल रहे हार्दिक की ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से वापसी होनी थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला में भी नजर नहीं आएंगे। इसी बीच पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने हार्दिक की फिटनेस को लेकर अहम सलाह दी है।

कपिल देव ने कहा कि खिलाड़ियों के शरीर को लगातार क्रिकेट खेलने की आदत होनी चाहिए। उनके मुताबिक कम क्रिकेट खेलने के बाद अचानक ज्यादा मुकाबले खेलने पर चोट का जोखिम बढ़ सकता है। हार्दिक को लगातार क्रिकेट खेलने के लिए क्या करना चाहिए, इस सवाल पर कपिल देव ने सीधा जवाब दिया, 'ज्यादा क्रिकेट खेलो।' उन्होंने कहा कि जब खिलाड़ी नियमित रूप से मैदान पर उतरता है तो शरीर उसी के अनुरूप ढल जाता है। इसके विपरीत लंबे समय तक कम खेलने के बाद अचानक कार्यभार बढ़ने से मांसपेशियों पर दबाव पड़ सकता है और चोट की आशंका बढ़ जाती है।



हार्दिक की वापसी में लगातार देरी

हार्दिक की मैदान पर वापसी 20 सितंबर के आसपास प्रस्तावित थी, लेकिन वह वापसी नहीं कर सके। अब 22 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में भी उनकी उपलब्धता नहीं होगी। इससे भारतीय टीम की तैयारियों पर भी असर पड़ रहा है। कपिल देव ने अपने समय के क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा कि उस दौर में खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी, वलब क्रिकेट और अन्य घरेलू मुकाबले लगातार खेलते थे।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

अलविदा

नाना पाटेकर

अग्निसाक्षी में निभाया किरदार आज भी जेहन में जिंदा, अभिनय का हर कोई दीवाना

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर को 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई। अभिनय की अनोखी शैली, दमदार संवाद अदायगी और हर किरदार में जान डाल देने की क्षमता ने उन्हें दर्शकों के बीच अलग पहचान दिलाई। अभिनेता के निधन के बाद फिल्म जगत से जुड़े लोगों और प्रशंसकों ने उनसे जुड़ी यादें साझा कीं।

नाना पाटेकर का जन्म 1 जनवरी 1951 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने वर्ष 1978 में फिल्म 'गमन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने मराठी फिल्मों में भी काम किया। वर्ष 1989 में आई 'परिदा' से उन्हें व्यापक पहचान मिली, जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका निभाई।



नाना पाटेकर ने अभिनय के साथ लेखन, निर्माण और निर्देशन में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। वर्ष 1994 में उन्होंने 'प्रहार' द फाइनल अटैक' से निर्देशन की शुरुआत की। नाना पाटेकर ने सकारात्मक, नकारात्मक, गंभीर और हास्य भूमिकाओं में अपनी अलग छाप छोड़ी। 'अग्निसाक्षी' में उनके अभिनय को खूब सराहा गया और उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। 'अंगार' में खलनायक की भूमिका के लिए उन्हें पुरस्कार मिला। वर्ष 1993 की 'तिरंगा' में पुलिस अधिकारी शिवाजीराव वाघले का किरदार आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय है। वहीं 'क्रांतिवीर' में प्रताप नारायण तिलक की भूमिका ने उन्हें नई ऊंचाई दी। इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

‘वेलकम’ से ‘नटसम्राट’ तक यादगार सफर

नाना पाटेकर ने 'खामोशी=द म्यूजिकल', 'शक्ति=द पावर', 'वेलकम', 'राजनीति', 'अपहरण' और 'नटसम्राट' जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय किया। वर्ष 2005 की 'अपहरण' में उनके नकारात्मक किरदार को भी खूब सराहना मिली। 'नटसम्राट' में उनके दमदार अभिनय के लिए उन्हें मराठी फिल्म पुरस्कार मिला। फिल्मों और कला के प्रति उनके योगदान को देखते हुए उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। नाना पाटेकर अपने पीछे अभिनय की ऐसी विरासत छोड़ गए हैं, जिसे लंबे समय तक याद किया जाएगा।

गौहर खान ने लव गिल की हरकत पर उठाए सवाल, कहा-अच्छा बनने का दिखावा मत करो

संगत का असर भी बुरा ही होता है। तबीयत खराब होने की वजह से काजी ने लव गिल से खाना मांगा, तो लव ने तब तो हां कर दिया कि लेकर आती हूं। फिर मुझे लगा कि वाह, लव कितनी अच्छी लड़की है। कितने अच्छे तरीके से वह गई। अभिनेत्री ने आगे कहा, अंदर जाते ही उसे अपने ग्रुप में लोगों से बोलने की क्या जरूरत थी कि काजी बोल रहा है कि मेरे लिए खाना लेकर आओ। मतलब एक सेकंड में आपने साफ कर दिया कि आप न तो अच्छे बन सकते हो और न ही उसका दिखावा कर



सकते हो। जैसे लव गिल ने किचन में जाकर कहा कि काजी खाना मांग रहा है, तो स्काउट लव से बोलता है कि नहीं, तुम क्यों ले जाओगी, मैं ले जाता हूं। अभिनेत्री गौहर खान ने स्काउट की इस तरह की हरकत पर निराशा जताते हुए कहा, 'स्काउट काजी के पास गया और उसे कितनी बुरी तरह से उसने खाना दिया। कोई किसी को इस तरह से खाना कैसे दे सकता है? ऐसे तो किसी जानवर को भी कोई खाना नहीं देता और यहां एक बीमार आदमी को बुरी तरह से खाना देकर चला गया।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। भारत में संस्थागत रियल एस्टेट निवेश 2026 की जनवरी-सितंबर अवधि में करीब 5.9 अरब डॉलर रहा है, जो कि सालाना आधार पर 39 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। कोलियर्स इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 के पहले नौ महीनों में संस्थागत रियल एस्टेट निवेश में घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 3.5 अरब डॉलर या 60 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में बताया गया है कि

जनवरी-सितंबर में रियल एस्टेट निवेश रहा 5.9 अरब डॉलर

समीक्षा अवधि में दुनिया भर के बाजारों में पूंजी लगाने को लेकर सावधानी और ग्लोबल इकोनमी के खराब आउटलुक के बावजूद, भारतीय रियल एस्टेट बाहरी उतार-चढ़ाव के बीच काफी हद तक मजबूत बना रहा है। वहीं, घरेलू पूंजी के प्रवाह में साल-दर-साल 59 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी ने भारत में मुख्य रियल एस्टेट एसेट क्लास की गहराई और परिपक्वता को दर्शाया है। रियल एस्टेट में विदेशी निवेश 17 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.4 अरब डॉलर हो गया। इसमें से ज्यादातर विदेशी पैसा डेवलपमेंट से जुड़े एसेट्स में लगाया गया, क्योंकि निवेशक

अल्टरनेटिव, हॉस्पिटैलिटी और मिक्सड-यूज प्रोजेक्ट्स में लंबे समय तक वैल्यू बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि तीसरी तिमाही में निवेश का प्रवाह 1.4 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 12 प्रतिशत ज्यादा है, लेकिन पिछली तिमाही के मुकाबले 51 प्रतिशत कम है। कोलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल यादव ने कहा, '2026 की तीसरी तिमाही में, घरेलू निवेशकों ने लगभग 0.9 अरब डॉलर का निवेश किया, जो कुल निवेश का लगभग दो-तिहाई हिस्सा था।

6 से 100 करोड़ तक पहुंचा ब्रॉडबैंड, सिंधिया ने गिनाई डिजिटल क्रांति की उपलब्धियां

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत ने पिछले एक दशक में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या करीब 6 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ तक पहुंचा दी है। उन्होंने इसे देश की डिजिटल यात्रा में ऐतिहासिक बदलाव बताते हुए कहा कि भारत अब

नई दिल्ली में आयोजित भारतीय मोबाइल कांग्रेस 2026 के दसवें संस्करण को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां मोबाइल डेटा की कीमत बेहद कम है। देश में एक जीबी डेटा की औसत कीमत करीब आठ रुपये है। उन्होंने कहा कि डेटा की लागत में कमी और उसके उपयोग में बढ़ोतरी ने करोड़ों भारतीयों को डिजिटल दुनिया से जुड़ने, नए विचार विकसित करने और नवाचार करने का अवसर दिया है। उनके अनुसार डिजिटल संपर्क

आज सामाजिक और आर्थिक बदलाव का प्रमुख माध्यम बन चुका है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का लक्ष्य केवल दुनिया में विकसित हो रही तकनीकों को अपनाना नहीं है, बल्कि भविष्य की तकनीकी व्यवस्था के मानक तय करने वाला देश बनना है। उन्होंने कहा, 'हम 4जी में पीछे थे, 5जी में दुनिया के साथ हैं और 6जी में नेतृत्व करेंगे।' सिंधिया ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत ने दूरसंचार और डिजिटल क्षेत्र में जिस गति से प्रगति की है, उसे हासिल करने में कई देशों को इससे कहीं अधिक समय लग सकता था। केंद्रीय मंत्री ने इन उपलब्धियों का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2014 में सामने रखे गए दृष्टिकोण को दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ऐसे भारत की कल्पना की थी, जो डिजिटल रूप से जुड़ा हो और भविष्य की तकनीकों के विकास तथा डिजाइन में अग्रणी भूमिका निभाए।



पर्यटकों के खिले चेहरे

हिमाचल के रोहतांग में जमकर स्नोफॉल, 4 इंच तक जमी बर्फ



मनाली। मशहूर पर्यटन स्थल रोहतांग दर्रे में बीती रात चार इंच ताजा हिमपात हुआ है। रात भर हुई बर्फबारी के बाद सुबह धूप निकलते ही रोहतांग का नजारा खिल उठा। सफेद चादर ओढ़े पहाड़ों को देखने के लिए पर्यटक सुबह से ही रोहतांग की ओर रवाना होने लगे हैं। हिमपात की खबर मिलते ही मनाली में पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिल उठे हैं। सप्ताहांत होने के चलते मनाली में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। रोहतांग पहुंची महिला पर्यटन कारोबारियों उर्मिला, तुली और रेशमा ने बताया कि ताजा बर्फबारी से रोहतांग दर्रा निखर उठा है। बर्फ का आनंद लेने के लिए पर्यटक सुबह सात बजे से ही रोहतांग पहुंचने शुरू हो गए हैं। ठंड के बावजूद पर्यटकों में बर्फ को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। रोहतांग के अलावा सोलंगनाला, अटल टनल और कोटी में भी बर्फबारी का लुक लिया जा सकता है। दूसरी ओर आज मनाली के मशहूर पर्यटन स्थल सोलंगनाला में पैराग्लाइडिंग का प्री वर्ल्ड कप भी शुरू हो रहा है। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में देश-विदेश के 90 से अधिक पायलट भाग ले रहे हैं। प्री वर्ल्ड कप के चलते भी पर्यटन नगरी मनाली में रौनक बढ़ गई है।

हरिद्वार, मेरठ, मुजफ्फरनगर में ओले गिरे

लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ-आदि कैलाश मार्ग बंद, 500 से ज्यादा श्रद्धालु फंसे

देहरादून/लखनऊ/पटना। एजेंसी उत्तराखंड के देहरादून, ऋषिकेश, नैनीताल, हल्द्वानी और रामनगर में बारिश हुई है। हरिद्वार में ओले गिरे, जिससे गाड़ियों के शीशे टूट गए। सुबह हेमकुंड साहिब और पिथौरागढ़ के धारचूला की व्यास घाटी के कुटी गांव में बर्फबारी हुई है। चमोली में बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग टंगड़ी-पागल नाले के पास लैंडस्लाइड के चलते बंद हो गया है। पिथौरागढ़ में भी आदि कैलाश सड़क पर मलबा आ गया। 500 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के मेरठ और मुजफ्फरनगर में भी ओले गिरे। मौसम विभाग ने आज 8 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ में गोमती नदी उफान पर है। इससे करीब 10 गांव बाढ़ में घिर गए हैं। 40 हजार से ज्यादा घर आधे से ज्यादा डूबे हुए हैं। 3 लाख से ज्यादा की आबादी प्रभावित है। बिहार के 18 जिलों में बारिश और आंध्री को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पटना, नालंदा, गया, नवादा, शेखपुरा समेत अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है।

हेमकुंड साहिब: सीजन की तीसरी बर्फबारी, कल बंद होंगे कपाट



ज्योतिर्मठ (चमोली)

उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित हेमकुंड साहिब में सीजन की तीसरी बर्फबारी हुई है। देर रात अचानक मौसम खराब होने के बाद यहां बर्फबारी हुई। मौसम का मिजाज बदलने से ठंड भी बढ़ गई। हेमकुंड साहिब में बर्फबारी ऐसे समय हुई है, जब यात्रा सीजन अपने समापन की ओर है। सिखों के प्रमुख तीर्थस्थलों में शामिल हेमकुंड साहिब में हर साल देश-विदेश से श्रद्धालु यहां मत्था टेकने पहुंचते हैं। यहां मौसम तेजी से बदलता है। इस सीजन में हेमकुंड साहिब में अब तक तीन बार बर्फबारी हो चुकी है। देर रात हुई ताजा बर्फबारी से

एक बार फिर यहां सर्द मौसम का असर देखने को मिला। हेमकुंड साहिब के कपाट कल बंद होने हैं। इसके साथ ही इस वर्ष की तीर्थयात्रा का समापन हो जाएगा। कपाट बंद होने से पहले हुई बर्फबारी ने यहां के मौसम में ठंडक बढ़ा दी है। श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा सीजन का अंतिम दौर है।

बारिश और तूफान का असर, पहाड़ों के साथ मैदानों में भी गिर रहा है पारा

लगातार दो दिन तक हुई बारिश और आंध्री-तूफान का असर सीधा तापमान पर पड़ा है। पहाड़ों में पारा गिरने से ठंड का अहसास हुआ तो मैदानी इलाकों में मौसम सुहाना रहा। उधर नौ अक्टूबर को भी प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार देहरादून, नैनीताल और पिथौरागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अन्य जिलों में गर्जन और बिजली चमकने के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, बुध्पतिवार के मौसम के आंकड़ों पर नजर डालें तो देहरादून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री गिरावट के साथ 27.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

नवविवाहिता की सदिग्ध मौत, कमरे में मिला शव, पति पर हत्या का आरोप

मुजफ्फरपुर। जिले के सकरा थाना क्षेत्र के मुगैल ओपी अंतर्गत महमदपुर गांव में एक नवविवाहिता की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 22 वर्षीय



सरिता कुमारी का शव उसके कमरे में अलमारी के पास पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। वहीं, मृतका के मायके वालों ने उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। सरिता की मौत की खबर मिलते ही उसके मायके में चीख-पुकार मच गई। मृतका की पहचान 22 वर्षीय सरिता कुमारी, पत्नी नीरज कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सरिता की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी। उसका शव घर के कमरे में अलमारी के पास मिला। घटना की सूचना मिलने के बाद मुगैल ओपी की पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की।

सीएम मान के ओएसडी से जुड़े मामले में नए खुलासे गोपनीय फाइलें और ट्रांसफर-पोस्टिंग मामले में सीबीआई खंगालेगी कनेक्शन

चंडीगढ़। एजेंसी

पंजाब के मुख्यमंत्री के ओएसडी राजवीर सिंह घुमन से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले की जांच में सरकारी गोपनीय दस्तावेज तक निजी लोगों की पहुंच और अपने कारोबारी हित में सरकारी नीतियों में बदलाव कराने की कोशिश का खुलासा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ और उससे जुड़े दस्तावेज के आधार पर यह जानकारी सामने आई है। जांच में सामने आया है कि आरोपी सरकारी विभागों से जुड़े सवेदनशील दस्तावेज हासिल कर उन्हें आपस में साझा करते थे और जरूरत के मुताबिक फैसलों को प्रभावित करने की कोशिश की जाती थी। ईडी की पूछताछ में नितिन गोहल से मिली जानकारी के अनुसार, 24 जनवरी 2024 की स्टेट पॉलिसीज फॉर फूडग्रेन्स,



लेबर एंड कॉर्टेज-2024 नाम की गोपनीय प्रस्तुति भी आरोपियों के बीच साझा की गई थी। ईडी का दावा है कि गोहल ने पूछताछ में माना कि यह दस्तावेज उसके और फूडग्रेन कारोबार से जुड़े राजदीप सिंह नागरा के बीच साझा हुआ था। जांच एजेंसी के मुताबिक, नागरा फूडग्रेन सप्लाई के कारोबार से जुड़ा था और पंजाब की फूडग्रेन, लेबर और कॉर्टेज नीति में अपने कारोबार के अनुकूल बदलाव चाहता था। इसी उद्देश्य से गोहल ने उसे गोपनीय प्रस्तुति उपलब्ध कराई, ताकि नागरा उसमें अपने सुझाव दे सके।

धान से भरे ट्रैक्टर और गैस सिलेंडरों के ट्रक की टक्कर, दुकान में घुसा ट्रैक्टर



कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे धान लेकर लाडवा अनाज मंडी जा रहे एक किसान के ट्रैक्टर की लाडवा मंडी के पास गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के साथ जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसा। हादसे में दोनों वाहनों से जुड़े लोगों को मामूली चोटें आने की जानकारी मिली है। टक्कर के कारण ट्रक के केबिन में धान (जीरी) भर गई। वहीं, ट्रैक्टर के दुकान में घुसने से दुकानदार को भी नुकसान हुआ है।

मेट्रो एंकर



अरविंद कुमार सिंह (वर्चित पुस्तक भारतीय डाक के लेखक)

है। डाकघरों की संख्या के मामले में भारत विश्व में नंबर एक पर है। 1947 में आजादी के साल तक भारत

संचार और सूचना क्रांति के दौर में भी विश्व के सबसे अधिक डाकघर भारत में

ड्रोन की मदद से अब मिनटों में पहुँच रही हैं डाक और पार्सल सेवाएं

संचार और सूचना क्रांति के शिखर दौर में भी भारत दुनिया का अकेला देश है, जहां विश्व के सबसे अधिक डाकघर कायम हैं और परंपरागत डाक सेवाएं अभी भी जारी हैं। यही नहीं जब दुनिया में डाकघर बंद हो रहे हैं तो भारत में डाकघरों की संख्या बढ़ रही है। 2021 में हमारे डाकघरों की संख्या 1,56,434 थी, वह आज बढ़ कर 1,64,999 हो चुकी है। डाकघरों की संख्या के मामले में भारत विश्व में नंबर एक पर है। 1947 में आजादी के साल तक भारत

में कुल 23,334 डाकघर थे। तबसे अब तक हमारा डाक तंत्र सात गुना से अधिक बढ़ चुका है। पिछले एक दशक में भारत में बड़ी संख्या में नए डाकघर खुले, जिनमें से काफी संख्या नक्सल प्रभावित इलाकों की थी। नए डाकघर खुलना बताता है कि इसका महत्व कायम है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जेन-जी डाकघर खोलने के साथ इसके कार्याकल्प के लिए कई प्रयास कर रहे हैं। हाल में हिमाचल प्रदेश के चुनिंदा 88 ग्रामीण डाकघर शाखाओं में ड्रोन की मदद से डाक और पार्सल सेवाओं का वितरण आरंभ किया गया है। जिन इलाकों में घंटों सफर के बाद डाक पहुंचती थी, अब सात मिनट में पहुंच रही है। पूरे विश्व में आज करीब 6.40 लाख से कम डाकघर हैं। संचार और सूचना क्रांति के दौर में तमाम देशों ने डाकघरों को बंद किया या कम किया है। भारत

में शहरों में डाकघरों की संख्या सीमित है पर देहाती डाकघर आज भी ग्रामीण जनता के बहुत काम आ रहे हैं। आज भी भारत के 164999 डाकघरों में से 1,49,385 डाकघर गांवों में कायम हैं। अगर प्रति डाकघर सेविंग आबादी को देखें तो समग्र औसत 8415 व्यक्ति है, पर प्रति डाकघर गांव का औसत 6030 व्यक्ति है जबकि शहरों का 31,422 है। भारत सरकार ने 2025-26 में केन्द्रीय बजट में घोषणा की थी कि भारतीय डाक ग्रामीण अर्थ/यवस्त्र था कि भारतीय डाक ग्रामीण के रूप में कार्य करेगा और डाक सेवाओं का विस्तर डीबीटी, सूक्ष्म उद्यमों को ऋण सेवा, बीमा और अन्य सेवाओं के लिए होगा। विशाल ग्रामीण डाकघरों तथा इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के विस्तृत नेटवर्क के साथ ग्रामीण डाक सेवकों के तंत्र की मदद से भारतीय डाक सूक्ष्म उद्यमों के लिए ऋण सेवाओं से लेकर बीमा सेवाएं और

सहायता-प्राप्त डिजिटल सेवाएं सुलभ कराएगा। इस दिशा में काम जारी है। नई पीढ़ी स्मार्ट फोनों से लैस हैं। 120 करोड़ से अधिक मोबाइल फोनों वाले भारत में तकीब 100 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता हैं। ऐसे में परंपरागत सेवाओं के लिए जगह सीमित है। फिर भी संचार और सूचना क्रांति की ताकत से डाकघरों ने कई नागरिकोन्मुखी सेवाएं आरंभ की हैं। पासपोर्ट, रेलवे टिकट, आधार नामांकन और अप्रप्रेडेशन, कॉमन सर्विस सेंटर, आधार आधारित भुगतान सेवा डाकघर मुहैया करा रहे हैं। वित्तीय सेवाओं में भारतीय डाक की अभी भी बहुत अहमियत है। डाकघर बचत बैंक 1882 से चलते हुए एक विराट संस्था बन चुका है। इस समय देश के डाकघरों में कुल 36.56 करोड़ खाते हैं जिनमें आम जनता की 21.29 लाख करोड़ रुपए की रकम जमा है, जो इस संस्था पर आम लोगों का भरोसा बताती है।

मधुबनी में तरकर सिंडिकेट पर बड़ी कार्रवाई भारत-नेपाल की ‘चाची’ के ठिकानों पर छापेमारी; दुकान और गोदाम सील

मधुबनी। एजेंसी

भारत-नेपाल सीमा के पास कथित तरकर सिंडिकेट से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। कृष्णात हीरा महासेठ उर्फ चाची के कई ठिकानों पर पुलिस, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और अन्य टीमों ने एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई बासोपट्टी थाना क्षेत्र के दुहबी बाजार में की गई। भारी संख्या में पुलिस बल के पहुंचने से पूरे बाजार में सन्नाटा पसर गया। कार्रवाई के दौरान एक दुकान और कई गोदामों को सील कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हीरा महासेठ उर्फ चाची के भारतीय क्षेत्र में कई ठिकाने हैं। एसएसबी, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और पुलिस की पहले की कार्रवाइयों के बाद कथित सिंडिकेट से जुड़े नेटवर्क के बारे में कई जानकारीयां सामने आई थीं।



अब जांच एजेंसियों की नजर इस नेटवर्क से जुड़ी संपत्तियों और अन्य ठिकानों पर भी है। भारतीय क्षेत्र में मौजूद संपत्तियों और कथित कारोबार की जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। गौरतलब है कि बीते 2 अगस्त को दुहबी बाजार स्थित एक किराना दुकान से भरत महासेठ और उसके रिश्तेदार शिव कुमार राउत उर्फ मेहमान को गिरफ्तार किया गया था। दोनों के पास से 50,150 रुपये के कथित जाली भारतीय नोट बरामद किए गए थे।